सम्पादक वर्ग

EDITORIAL BOARD

सी. वेलमुरुगन

सचिव

C. VELMURUGAN

Secretary

एम.एस. रावत

उप-सचिव (सम्पादन)

M.S. RAWAT

Deputy Secretary (Editing)

विषय सूची

सत्र–07 भाग (04) मंगलवार, 27 नवम्बर, 2018/06 मार्गशीर्ष, 1940 (शक) अंक–92

1.	सदन में उपस्थित सदस्यों की सूची	1–2
2.	अल्पकालिक चर्चा (नियम–55)	6–68
3.	माननीय चुनाव मंत्री द्वारा चर्चा का उत्तर	

दिल्ली विधान सभा की

कार्यवाही

सत्र–07 भाग (04) मंगलवार, 27 नवम्बर, 2018 / 06 मार्गशीर्ष, 1940 (शक) अंक–92

दिल्ली विधान सभा

सदन अपराह्न 2:00 बजे समवेत हुआ।

सदन में उपस्थित सदस्यों की सूची

निम्नलिखित सदस्य सदन में उपस्थित हुए :

1. श्री शरद कुमार
2. श्री पंकज पुष्कर
3. श्री अजेश यादव
4. श्री महेन्द्र गोयल
5. श्री राज चन्द्र
6. श्री सुखवीर सिंह दलाल
7. श्री रघुविन्द्र शौकीन
8. श्रीमती बंदना कुमारी
9. श्री जितेन्द्र सिंह तोमर
10. श्री राजेश गुप्ता
11. श्री अखिलेश पति त्रिपाठी
12. श्री सोमदत्त
13. सुश्री अलका लाम्बा
14. श्री आसिम अहमद खान
15. श्री विशेष रवि
16. श्री हजारी लाल चौहान
17. श्री शिव चरण गोयल
18. श्री गिरीश सोनी
19. श्री जरनैल सिंह
20. श्री राजेश ऋषि
21. श्री सुरेन्द्र सिंह
22. श्री विजेन्द्र गर्ग

23. श्री प्रवीण कुमार
24. श्री मदन लाल
25. श्री सोमनाथ भारती
26. श्रीमती प्रमिला टोकस
27. श्री अजय दत्त
28. श्री सौरभ भारद्वाज
29. श्री अमानतुल्लाह खान
30. श्री मनोज कुमार
31. श्री नितिन त्यागी
32. श्री ओम प्रकाश शर्मा
33. श्री एस.के. बग्गा
34. श्री अनिल कुमार बाजपेयी
35. श्रीमती सरिता सिंह
36. मो. इशराक
37. श्री श्रीदत्त शर्मा
38. चौ. फतेह सिंह
39. श्री जगदीश प्रधान
40. श्री कपिल मिश्रा

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

अंक—92 मंगलवार, 27 नवम्बर, 2018 / 06 मार्गशीर्ष, 1940 (शक)

सदन अपराह्न 2.30 बजे समवेत हुआ।

माननीय अध्यक्ष महोदय (श्री राम निवास गोयल) पीठासीन हुए।

माननीय अध्यक्षः सभी का स्वागत, नमस्कार। अल्पकालिक चर्चा (नियम–55), पंकज पुष्कर जी।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः सौरभ जी, अपनी सीट पर आओ प्लीज।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः बैठिए, बैठिए, प्लीज। संज्ञान में ले रहे हैं। हाँ, विजेन्द्र जी, क्या कह रहे हैं?

श्री विजेन्द्र गुप्ताः अध्यक्ष जी शिक्षा के मुद्दे पर...

माननीय अध्यक्षः विजेन्द्र जी, देखिए, मेरी बात समझ लीजिए।

श्री विजेन्द्र गुप्ताः न स्वास्थ्य पर, न शिक्षा पर...

माननीय अध्यक्षः अच्छा, मैं व्यवस्था दे रहा हूँ।

श्री ओम प्रकाश शर्माः अध्यक्ष जी, मेरा भी है।

माननीयः अध्यक्षः मैं व्यवस्था दे रहा हूॅ। मैं तीनों की व्यवस्था दे रहा हूँ।

मुझे श्री विजेन्द्र गुप्ता, नेता प्रतिपक्ष से नियम–59 के अंतर्गत कार्य स्थगन प्रस्ताव तथा श्री ओम प्रकाश शर्मा एवं श्री जगदीश प्रधान से नियम–54 के अंतर्गत ध्यानाकर्षण की सूचनाएँ प्राप्त हुई हैं। मैं इस संबंध में बताना चाहूँगा कि कार्यसूची में सूचीबद्ध विषय मेरी अनुमति से ही सम्मिलित किए जाते हैं। यदि किसी अन्य विषय पर विचार करना है तो माननीय सदस्य नोटिस देने से पहले मुझसे व्यक्तिगत रूप से मिल लें। ये हर रोज नहीं... बिल्कुल, मैं व्यवस्था दे रहा हूॅ।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः मैं मिलूँगा... मिल सकते हैं।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः कोई दिक्कत नहीं है।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः टेलीफोन पर भी...

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः आप टेलीफोन पर भी बात कर सकते हैं।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः हाँ, मैं निश्चित कर रहा हूॅ। मैं ग्यारह बजे मिलूँगा। मैं ग्यारह बजे से पहले मिलूँगा। चलिए अब।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः किसको... कोई अधिकार नहीं छीन रहा हूँ। मैने कहा है, नोटिस देने से पहले मुझसे व्यक्तिगत रूप से मिल लें तो अधिक बेहतर होगा। मैंने कल भी कहा था कि यह सत्र विशेष प्रयोजन के लिए बुलाया गया है। विजेन्द्र जी, सदन के समय के अधिकतम सदुपयोग तथा सभी सदस्यों को अपने विचार व्यक्त करने का अवसर प्रदान करने के लिए, कार्यसूची में सूचीबद्ध विषयों के अलावा किसी अन्य विषय को विचारार्थ नहीं लिया जायेगा।

अतः मैं किसी भी सूचना को स्वीकार नहीं कर पा रहा हूँ। यदि सदस्य मेरी अनुमति के बिना कुछ बोलेंगे तो उसे सदन की कार्रवाई में सम्मिलित नहीं किया जायेगा और मेरे निर्देशों की पालना न होने पर नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः ऐसा है विजेन्द्र जी, आप एक बार कह लीजिए। मैं अभी... पूरी बात सुन लीजिए। मैं साढ़े तीन साल से इस बात से परेशान हूँ... ठीक है। जब मर्जी आये, बोलने लगते हैं। जब मर्जी आये, उठ कर बोलने लगते हैं, बराबर समय देने के बावजूद भी।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः मैने ये नहीं कहा, नियम विरुद्ध है। मैने कहा... अस्वीकार किया है मैंने और जो...

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः हाँ, पहले मिल लीजिए आप।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः कोई बात नहीं, अब मैंने जो व्यवस्था दी है, नियमानुसार दी है।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः कोई बात नहीं। श्री पंकज पुष्कर जी।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः जो व्यवस्था दी है, नियमानुसार दी है। श्री पंकज पुष्कर जी।

अल्पकालिक चर्चा (नियम–55)

श्री पंकज पुष्करः माननीय अध्यक्ष महोदय, बहुत–बहुत धन्यवाद। बहुत महत्वपूर्ण विषय पर अल्पकालिक चर्चा शुरू करने के लिए आपने मुझे आदेश दिया है।

माननीय महोदय, विषय ये है कि दिल्ली में मतदाता सूचियों में लाखों मतदाताओं के नाम अवैध तरीके से हटाए जाने से जो एक स्थिति उत्पन्न हुई है, वो न केवल पूरे दिल्ली के नागरिक समाज के लिए महत्वपूर्ण है बल्कि पूरे देश के लिए और जो पूरे देश की जो लोकतांत्रिक और सवैंधानिक व्यवस्था है, उसके लिए इसका एक बहुत महत्वपूर्ण... इसको संज्ञान में लिया जाना जरूरी है और दिल्ली की विधान सभा एक बहुत संवेदनशील भारतीय संविधान के प्रति निष्ठावान विधान सभा होने की अतिरिक्त जिम्मेदारी मानते हुए इस विषय को चर्चा के केन्द्र में लाए, ये मुझको आवश्यक लगा।

माननीय महोदय, जो वोट देने का अधिकार है, मैं निवेदन करना चाहूँगा विधान सभा को, विधान सभा के माध्यम से... भारत के संविधान के रखवाले सर्वोच्च न्यायालय को भी कि ये मनुष्य का नागरिक के तौर पर जो राजनैतिक अधिकार हैं, उसके नागरिक होने का जो अधिकार है, उसका केन्द्र बिन्दु है, उसका एक बुनियादी अधिकार है और वोट देने का अधिकार एक वोटर के तौर पर अपने को समाज में स्वीकृत करवाने का अधिकार पूरी दुनिया का इतिहास ये है कि बड़े संघर्ष से मिला है। हमेशा से समाज के अंदर बहुत भारी संख्या में ऐसे लोग रहे हैं जो कि ये नहीं चाहते थे कि वोट देने का अधिकार हर किसी को मिले। स्वयं इस देश के अंदर आजादी की लड़ाई चल रही थी। उस समय भी बहुत सारे लोग थे कि ये संघर्ष कर रहे थे कि इस देश में सभी को बराबरी का दर्जा मिले। सभी को वोट देने का दर्जा मिले, सभी को.... कोई भी जाति हो, कोई भी धर्म हो, वो पुरूष हो या स्त्री हो, अमीर हो या गरीब हो, सभी को राजनैतिक अधिकार के तौर पर बराबर का अधिकार मिले। लेकिन बहुत सारे लोग निश्चित रूप से ये भी मानते थे कि इस देश में एक ऐसी व्यवस्था बनी रहे कि अमीर के लिए अलग, गरीब के लिए अलग, जातियों के हिसाब से अलग, हिन्दु मुसलमान के हिसाब से अलग तो भारत का संविधान, जो हम को एक लोकतांत्रिकता का अधिकार देता है, उसकी बुनियाद है, राइट टु वोट, वोट देने का अधिकार और इसकी एक प्रक्रिया है। ये केन्द्र सरकार की, राज्य सरकार की और चुनाव आयोग का दायित्व है कि वो हर व्यक्ति के इस बुनियादी मौलिक अधिकार की सुरक्षा करे, उसको उपलब्ध करवाए और इसमें कोई अन्याय परख कोई जो वैद्यानिक प्रणाली है, उसके अलावा किसी भी तरीके से इस अधिकार से वंचित न किया जा सके। लेकिन बहुत ही एक अभूतपूर्व, एक बहुत दुःखद स्थिति है। एक तरह से पूरी संवैधानिक भावना के

विपरीत एक स्थिति है कि एक बड़े फ्रिवुलस कारणों पर बहुत ही गैर जिम्मेदार तरीके से कई बार बहुत ही इंडिफेन्सिबल, एक ऐसे कारण बताकर, एक ऐसे तर्क बताकर कि जिसको कि किसी भी न्यायालय, किसी भी कानून के मंच में सही नहीं ठहराया जा सकता, लाखों की संख्या में वोट काटे गए। ये दिल्ली है, दिल्ली की बात है और जब किसी का वोट काट दिया जाता है तो जो एक नागरिकता का अधिकार उसको दिया गया है, उसको भारत के संविधान, बाबा साहेब अम्बेडर और सारे शहीदों का सपना ये कहता है कि तुम्हारा जन्म किसी भी स्थिति में हुआ हो; अमीर या गरीब किसी परिवार में हुआ हो। लेकिन तुम भारत के संविधान के लिए, भारत के समाज के लिए बिल्कुल बराबर के नागरिक हो और ये अधिकार जो भारत का संविधान देता है, आजादी की लड़ाई इनको देती है, उसको एक झटके से कोई बीएलओ, कोई इलैक्शन ऑफिसर एक झटके से छीन लेता है और एक तरीके से उसकी नागरिकता को स्थगित कर देता है, उसको दूसरे दर्ज का नागरिक बना देता है। तो माननीय महोदय ये किस के साथ होता है। जैसे ही हमको ये बहुत दुःखद समाचार मिला कि लाखों की संख्या में इस तरह के वोट काटे गए हैं, हम गहराई में गए। हम लोग अपने मुख्य मंत्री का आदेश मानते हुए... हमको आदत है कि हम एक–एक घर जाते हैं, डोर टू डोर जाते हैं। लोगों की तकलीफ पूछते हैं। इस मामले पर भी हम और मेरे सारे विधायक साथी जो हैं, फिर एक–एक घर गए लोगों के पूछने गए कि भई, आपका नाम तो वोटर लिस्ट में था। कैसे कट गया? क्या आपका पता बदल गया? क्या आप दिल्ली छोड़कर चले गए? क्या आपके परिवार में किसी की मृत्यु हो गई? दो–चार–पाँच मामलों में ये बात सच भी निकली कि ठीक है, जायज तरीके से किसी के परिवार में मृत्यु होने पर वोट कटता है। लेकिन बहुत सारे ऐसे भी

उदाहरण सामने आये कि बिना किसी ठोस कारण के वोट काट दिये गये। अब ये फिर समझना जरूरी है और इसका संज्ञान लिया जाना जरूरी है। इसका राजनैतिक और वैधानिक उपचार जरूरी है कि ये नागरिकता का जो अधिकार है, ये क्यों छीना जा रहा है।

माननीय महोदय, वोट देने का अधिकार आदमी के अंदर जो उम्मीद मनुष्य के अंदर जो उम्मीद पैदा करता है कि बिना लड़ाई झगड़े के बिना हिंसा के, बिना गैर कानूनी तरीके अपनाये आप व्यवस्था बदल सकते हो। और आप जानते हैं कि इस समय इस विधान सभा में जिस तरह के प्रतिनिधियों को, विधायकों को भेजा गया है, जिस तरह के व्यक्ति को मुख्य मंत्री बनाया गया है, वो दिल्ली के नागरिक समाज की इस इसी शक्ति की प्रतिध्वनि है। यही शक्ति उजागर होकर सामने आई कि देखो हर गरीब आदमी झुग्गी में रहने वाला, रेहड़ी लगाने वाला, ऑटो चलाने वाला, चाहे वो अभी तक दिल्ली में सम्मानित नागरिक माना जाता था या नहीं माना जाता था। लेकिन जब उसको अधिकार मिला जब, उसके अधिकार का प्रयोग हुआ तो उसने ऐसे लोगों को विधायक और ऐसे लोगों को मुख्य मंत्री बनाया जिनका इतिहास राजनैतिक... व्यावसायिक तरीके से राजनीतिक करने का नहीं है। तो एक तरीके से ये जो दिल्ली के अंदर राजनैतिक परिवर्तन हो रहा है। एक राजनैतिक क्रॉंति आगे बढ़ रही है, उसको छीनने का काम ये हुआ और ये जो हमारे नागरिक समाज का एक बुनियाद है कि अंहिसा के तरीके से, संवैधानिक तरीके से, बिना युद्ध करे, बिना गैर कानूनी तरीके अपनाये हम राजनीतिक सत्ता को बदलेंगे, उस अवसर को छीनने वाला ये काम हुआ।

माननीय महोदय, दिल्ली का समाज एक अलग तरह का समाज है। दिल्ली पूरे देश और खासतौर से उत्तर भारत, मध्य भारत के लोगों के लिए उम्मीदों का

राज्य भी है, यहाँ पर बहुत सारे नौजवान अपनी जवानी के दिनों में आते हैं, पढ़ने आते हैं, रोजगार की तलाश में। वो यहाँ दस वर्ष रहते हैं। बहुत सारे यहाँ हमेशा के लिए रहते हैं तो दिल्ली की स्थिति ऐसी है कि ये गतिशील राज्य है। यहाँ बहुत आबादी इस तरह से आती है कि वो आती है, पढ़ती है, रोजगार तलाशती है, अपना व्यापार या सर्विस करती है, तो दिल्ली का स्वरूप कोई ऐसा स्वरूप नहीं है कि दिल्ली में जो सौ साल से, पचास साल से रह रहा है, वो दिल्ली वाला है और बाकी कोई पराये लोग हैं, बाहर के लोग हैं ऐसा नहीं है। हालांकि इसका उल्लंघन हमने देखा है। कुछ राजनीतिक दलों के लोग... अभी हमने एक सांसद का नाम सुना है, बड़ी शर्मनाक घटना थी कि जो बहुत ही सम्मानित तरीके से दिल्ली के विकास में योगदान देने के लिए पूर्वांचल के समाज के लोग आते हैं, उनका बहुत घटिया शब्दों में, न केवल अपमान किया, गालियाँ दी, मारा–पीटा, पूरे पूर्वांचली समाज का अपमान किया, बहुत ही घिनौनी हरकत की। वैसे भी हम देखते रहते हैं कि उनके मुँह से ऐसे गंदे शब्द निकलते हैं कि ये बाहर वाले हैं। तो ये मानसिकता दिल्ली के राजनैतिक समाज के अंदर, दिल्ली की राजनीतिक सत्ता में कुछ हस्तक्षेप ऐसे लोगों का भी है जो कि दिल्ली के सभी नागरिकों को एक समान दृष्टि से नहीं देखते। उनके लिए पूर्वांचली जो हैं, पराये हैं, बाहरी हैं। उनके लिए उत्तराखंडी भी शायद बाहर के हैं, उनके यहाँ कोई भी उनको लगता ये है... कुछ लोगों को लगता ये है कि दिल्ली तो केवल दस प्रतिशत लोगों की है, बाकी सब दिल्ली में जैसे कि एक बाहरी लोग हैं; दूसरे दर्जे के नागरिक हैं। और ये बड़े अफसोस के साथ देखने को मिलता है कि जो वोट कटे हैं, जो लाखों की संख्या में वोट कटे हैं, वो अधिकतर ऐसे ही वर्गों से आते हैं या तो वो गरीब लोग हैं, वो, वो लोग हैं जो कि 10 साल पहले, 15 साल पहले किसी समाज से आए थे, दिल्ली को उन्होंने अपना बनाया, यहाँ पर रोजगार किया, अपना स्थाई

तरीके से अपना घर ढूँढ रहे हैं लेकिन वो अभी इस स्थिति में किराए के घर में हैं। लेकिन माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरी प्रार्थना ये है कि भारतीय संविधान के हिसाब से कोई दो दर्जे की नागरिकता नहीं है, कोई दो तरह की नागरिकता नहीं है, कोई स्थाई घर अपने नाम करके रहता है और कोई किराए पे रहता है; उनकी नागरिकता में कोई फर्क नहीं है, उनके राजनीतिक, वैधानिक अधिकारों में कोई अंतर नहीं है। लेकिन दिल्ली की ब्यूरोक्रेसी में जरूर कुछ ऐसे लोग बैठे हैं जो कि ये फर्क करते हैं, जो ये भेदभाव करते हैं, जो कि सबको बराबर की नागरिकता का दर्जा देना उनके दिल को गवारा नहीं हो रहा। दिल्ली की ये स्थिति है, एक संवेदनशील स्थिति है। वोट का अधिकार जिसको सैंकड़ों सालों के इतिहास के संघर्ष के बाद हमने पाया है, उसको एक झटके में सुओ–मोटो कह के काट देना। माननीय अध्यक्ष महोदय, लाखों की संख्या में तो ऐसे वोट काटे गए हैं जिसका कारण ही नहीं बताया गया है, बिल्कुल मेकेनिकल, तकनीकी तरीके से एक कंप्यूटर का बटन दबा कर लाखों की संख्या में ऐसे वोट काट दिए गए जिसको कि लिखा गया है – सुओ–मोटो। अपने से उसका कोई अलग से कारण नहीं बताया गया है। बस, उनके डाटा से मैच नहीं किये, काट दिया गया। कितना ये बेदर्द व्यवस्था है, कितनी ये हिंसक प्रशासनिक व्यवस्था होगी अगर किसी को उसकी नागरिकता का अधिकार देने वाला, मतदान का अधिकार जो है, वो एक बटन दबा के काट दिया जाए, एक झटके में काट दिया जाए।

मैं प्रार्थना ये करता हूँ कि दिल्ली जो है, हर उस व्यक्ति की है जिसने कि दिल्ली को अपना बनाया है, दिल्ली को सजाया है, यहाँ अध्ययन करने के लिए आया, पढ़ने के लिए आया, रोजगार किया, नौकरी की, कोई छोटा या व्यापार किया, रेहड़ी लगाई, उसने यहाँ पर ऑटो रिक्शा चलाई, ई–रिक्शा चलाई, उसने

कुछ भी काम किया लेकिन वो दिल्ली के नागरिक समाज में बराबर का भागीदार है। उसको दिल्ली की ये संवेदनशील विधान सभा उसकी नागरिकता का, उसके राजनीतिक अधिकारों का सम्मान करती है, उसका अगर वोटर कार्ड, उसका अगर मतदाता के रूप में उसका जो पंजीकरण है, उसको खारिज किया जाता है। इसको हम बिल्कुल, सरासर गैर लोकतांत्रिक घटना मानते हैं और हमारा माननीय अध्यक्ष महोदय, निवेदन यह है कि बहुत तकनीकी तरीके से, एक टेक्नोक्रेट तरीके से एक बटन दबाया और किसी के मतदान का अधिकार जो है, खारिज कर दिया जाए। ये एक बहुत ही क्रूर व्यवस्था होगी।

मैं माननीय अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से सरकार से भी निवेदन करता हूँ, माननीय मुख्य मंत्री महोदय से भी निवेदन करता हूँ, पूरे कैबिनेट से भी निवेदन करता हूँ, न्यायालय से भी निवेदन करता हूँ, माननीय सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय से भी निवेदन करता हूँ कि इस अति गंभीर मामले पर स्वतः संज्ञान ग्रहण करें और इस शहर की अपनी प्रशासनिक व्यवस्था में अगर ऐसी कोई भी कमजोरी है कि किसी से जो उसका मूलभूत, जो एक मौलिक अधिकार है, उसका एक मौलिक, राजनैतिक अधिकार है, उसकी जो सिविक राइट हैं, उसको छीनने की जो घटना है, एक पूरी सत्यता है, लाखों लोगों को मतदाता अधिकार से वंचित करने की जो इसके पीछे जो पूरे डिजाइन को समझा जाये, अपनी व्यवस्था के अंदर जो भी एक असंवेदनशीलता है अगर कुछ प्रशासनिक अफसरों में... उसको दुरुस्त किया जाये, उसको स्थाई रूप से दुरुस्त किया जाये, अपने पूरे प्रशासनिक अमले को संवेदनशील बनाया जाये कि ये इतना अभूतपूर्व रूप से केन्द्रीय महत्व का ये अधिकार है कि इसको किसी भी कमजोर आधार पर इससे वंचित किया जाना लोकतंत्र के बुनियाद पर कुठाराघात होगा, संविधान की मूल

भावना पर कुठाराघात होगा और कम से कम इस विधान सभा में मुझको अपने सारे विधायकों की तरफ से बड़ा आश्वासन महसूस होता है कि हम ऐसा हरगिज नहीं होने देंगे, यहाँ पर ऐसे लोग निश्चित रूप से चाहे तीन–चार जरूर बैठे हुए हैं, ...भी बैठा हुआ है जो कि चाहता है दिल्ली को एक ऐसा समाज बनाया जाए जिसमें कि दूसरे दर्जे की नागरिकता आरोपित की जाए, जिसमें कि हर किसी के अधिकार जो दिए गए हैं उनको छीना जाए।

माननीय अध्यक्षः पंकज जी, कन्क्लूड करिए। पंकज जी, कन्क्लूड करिए।

श्री पंकज पुष्करः मैं प्रार्थना करता हूँ विधान सभा के हर संभव अधिकार का प्रयोग करके आप आश्वस्त करें दिल्ली के नागरिक समाज को कि किसी भी नागरिक, चाहे वो किसी धर्म से आता हो, किसी जाति से आता हो, उसका व्यवसाय कुछ भी हो, चाहे वो सड़क के किनारे एक सिर्फ अपनी छोटी सी झुग्गी डाल के रहता हो, उसको अधिकार से वंचित नहीं किया जाएगा, ये पक्का आश्वासन मुझको. ... निवेदन है विधान सभा के माध्यम से और आपके माध्यम से, मुख्यमंत्री महोदय के माध्यम से दिया जाए, बहुत बहुत धन्यवाद, जय हिन्द, जय भारत।

माननीय अध्यक्षः श्री राजेश गुप्ता जी।

माननीय अध्यक्षः सर, अभी थोड़ी देर में बोलूँगा।

माननीय अध्यक्षः सही राम जी।

श्री सही रामः धन्यवाद, अध्यक्ष महोदय। अध्यक्ष महोदय, ये वोट लिस्ट में नाम काटने का मामला है जो आपका ये लोगों की भावना के साथ–साथ लोगों के अधिकार से भी जुड़ा हुआ है। और ये बड़े दुःख की बात है अध्यक्ष महोदय,

देश आजाद हुआ, आजादी के बाद संविधान बना, संविधान लागू हुआ और डॉ. भीम राव अंबेडकर ने एक संविधान में प्रावधान डाला कि हर आदमी को वोट डालने का अधिकार है, समानता से जीने का अधिकार है। अध्यक्ष महोदय, संविधान लागू होने से पहले देश में रजवाड़े थे, और रजवाड़ों में राजा वही बनता था जो रानी के पेट से पैदा होता था। लेकिन जब से संविधान में वोट डालने का अधिकार मिला, तब से राजा मतपेटियों से पैदा होने शुरू हो गये। अध्यक्ष महोदय, जब ये मेरे संज्ञान में पहली बार आया तो मैंने निर्वाचन आयोग को शिकायत की, उन्होंने इसके सर्वे के आदेश दिये। लेकिन जो सर्वे के आदेश दिये थे अध्यक्ष महोदय, मैं उसमें खुद दो तीन... मैं भी उन अधिकारियों के साथ गया। एक बड़ा–सा माहौल वहाँ बना क्योंकि जिन लोगों के नाम काटे हुए थे, उन लोगों का उस लिस्ट में नाम ही नहीं था। उनके पास खाली वो जिस मोहल्ले, गाँव से या गली से लिस्ट से 500 लोगों के नाम काटे गए, उनमें से मात्र 40 या 50 लोगों के वो नाम ले के आते थे जो शिफ्ट हो चुके हैं। जब उनसे हमने कहा उनसे कि जी, ये लिस्ट तो ये ठीक नहीं है आपकी, इसमें तो वो लोग हैं जिनके नाम ही नहीं हैं, जिसमें जिन लोगों लिस्ट कटे हुए हैं, वो कहते हैं जी, हमें तो वहाँ से ऊपर से यही लिस्ट के आदेश हुए हैं। मैंने कहा इस लिस्ट के आदेश हुए हैं जिन लोगों के नाम कटे हैं वोटर लिस्ट हमारे साथ है, आप चल के उन्हें भी चेक करो। कह रहे हैं जी, हम उन्हें चेक नहीं करेंगे, हमें ये आदेश नहीं है। हम तो खाली जो लिस्ट हमें ऊपर से मिली है, खाली उसका सर्वे करके हमें रिपोर्ट देनी है।

अध्यक्ष महोदय, सभी शासन प्रणालियों में लोकतंत्र सबसे सुंदर शासन प्रणाली है और सौभाग्य से हमारे देश में लोकतंत्र को प्रायः इसके लाखों आजादी के दीवानों ने बलिदान दिया था। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र देश है, इसमें सरकार

का चुनाव जनता स्वयं करती है। अध्यक्ष महोदय, लेकिन देश में कुछ ऐसे तथाकथित कुछ ताकतें लोकतंत्र को समाप्त करने की घटिया साजिश कर रही हैं क्योंकि देश की जनता उनका असली चेहरा पिछले चार सालों से शासकों से देखती आ रही है। लोकतंत्र की हत्या के लिए ये लोग तरह–तरह के हथकंडे अपना रहे हैं जिसका अभी भी हाल ही में आम आदमी पार्टी ने पर्दाफाश किया है। लोकतंत्र में मतदाता ही उसकी आत्मा होती है लेकिन जब मतदाता को उसके अधिकार से रोक दिया जाएगा तो स्वयं ही लोकतंत्र समाप्त हो जाएगा, ऐसा दिल्ली में लाखों लोगों के वोटर लिस्ट से नाम काट दिया गया है। मेरी विधान सभा से... अध्यक्ष महोदय, मैं बड़े उसके साथ कहता हूँ, खाली एक तुगलकाबाद विधान सभा क्षेत्र में ही 45 हजार वोट काट दी गयी हैं, 45 हजार। जिसकी शिकायत हमने संबंधित अधिकारियों को दी लेकिन उसका संतोषजनक हल नहीं निकला। इसमें एक बड़ी साजिश की बू आ रही है। अध्यक्ष महोदय, 2014 में जिन मतदाताओं ने वोट दिया था, उनको आगामी चुनाव में वोट देने से रोकने का एक प्रयास किया जा रहा है।

अध्यक्ष महोदय, एक चीज इसमें और मैं कहूँ कि भारतीय जनता पार्टी की एक सोची समझी स्कीम है और मैं खुले शब्दों में कहूँ और इसकी निंदा भी करता हूँ कि इन्होंने एक वर्ग दिल्ली में जो छः लाख से ऊपर झुग्गी झोपड़ी के लोग हैं, स्लम बस्तियों में जो गरीब लोग हैं , उनके साथ एक बहुत बड़ा विश्वासघात इन्होंने किया है। क्योंकि अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि अगर किसी झुग्गी झोपड़ी कैम्प को एक जगह से उठाकर दूसरी जगह शिफ्ट किया जाता है उन्हें अल्टरनेटिव प्लाट दिये जाते हैं या उन्हें अल्टरनेटिव फ्लैट दिये जाते हैं तो उसकी सबसे पहली जाँच जो होती है, वो वोटर लिस्ट से शुरू होती है और अगर

उस वोटर लिस्ट में उसका नाम नहीं है तो अपने उस अधिकार से वो वंचित रह जाता है। इसलिए मैं साफ–साफ कहूँ कि पूर्वांचल के लोगों के साथ और झुग्गी झोपड़ी में स्लम बस्तियों में रह रहे गरीब लोगों के साथ इन्होंनें बहुत बड़ा विश्वासघात किया है, अध्यक्ष महोदय। और आश्चर्य तो मुझे तब हुआ जब मैंने वोटर लिस्ट चैक की और उसमें मेरे ही परिवार के नाम उड़ा दिये पूरे के पूरे।

अध्यक्ष महोदय, मैं तो धन्यवाद करता हूँ कि क्षेत्र की जनता का कि उन्होंने चुन के मुझे यहाँ भेज दिया अगर मैं यहाँ न होता और मेरे नाम कटने से मेम्बरशिप को खतरा न होता तो मैं न समझता और अगले चुनाव में ही जाकर मुझे पता चलता कि सही राम का भी नाम वोटर लिस्ट से गायब है।

अध्यक्ष महोदय, ये कैसे संभव है कि पिछले पाँच साल में इतने मतदाताओं के नाम काट के वोटर लिस्ट से नाम कम कर दिये जब कि पिछले पाँच साल में कितने ही नये मतदाता बने होंगे, कितने ही बाहर से आकर यहाँ बसे होंगे। उनकी तो कहीं चर्चा ही नहीं है।

अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे इसमें निवेदन है कि इसकी दोबारा जाँच कराई जाये और जो जिम्मेदार अधिकारी हैं, उनके खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाये, धन्यवाद, जयहिंद।

माननीय अध्यक्षः श्री तोमर जी।

श्री जितेन्द्र सिंह तोमरः धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, अभी जो चर्चा शुरू की है पंकज पुष्कर जी ने, बहुत ही गंभीर विषय है कि वोटर को उसके अपने अधिकार से वंचित किया जा रहा है। हमारे देश में लोकतंत्र है और इस लोकतंत्र में मैं समझता हूँ कि पिछले 25 सालों से मैं राजनीतिक जीवन में हूँ, मैंने इतना

आतंक कभी नहीं देखा। पहले भी डिलीशन भी होते थे, एडीशन भी होते थे लेकिन करीब–करीब बैलेंस बना रहता था। कुछ लोग नये आये, कुछ लोग शिफट हो जाते थे, कुछ लोगों की डेथ हो जाती है, कुछ लोग नये वोट बनवाते हैं; 18 साल के हो जाते हैं। ये सब चलता रहा। आपने देखा होगा बहुत सालों से आप तो इस विधान सभा के सदस्य रहे पहले, लेकिन इस बार जो हुआ है, वो दस लाख से ज्यादा वोट, 2015 की जो हमारी सूची थी, मतदाता सूची और उसमें दस लाख से ज्यादा वोटों का फर्क पड़ गया है तमाम विधान सभा में, कहीं बारह हजार, कहीं 15 हजार, कहीं तीस हजार, कहीं तैतीस हजार, कहीं 35 हजार वोट डिलीट हो गये हैं। किसी को शिफ्ट का नाम दिया गया है, किसी को एक्सपायर हो गये हैं, वो नाम दिया गया है और किसी में सुओ–मोटो दे दिया गया है। सुओ–मोटो क्या होता है? समझ नहीं आया। अपने आप कर दिया कि सुओ–मोटो ले लिया हमने। ये साहब, हमने एज्यूम कर लिया है कि नहीं है। मेरी विधान सभा में हुआ, मैंने अभी डोर टू डोर चैकिंग कराईं बहुत सारे बूथ्स में मैंने चेक कराया, बहुत सारे लोग जो वहाँ रह रहते हैं, उनको शिफट दिखा दिया गया। बहुत सारे लोग जो जिंदा हैं, उनको एक्सपॉयर दिखा दिया गया। तो ये जो लोकतंत्र की हत्या हो रही है, ये सोची समझी साजिश है। भारतीय जनता पार्टी की जो सरकार आई है, मैं यही कहना चाहता हूँ कि मैंने इतने सालों से भारत की राजनीति को देखा है लेकिन इतने घटिया स्तर की राजनीति मैंने आज तक किसी सरकार की नहीं देखी। पिछले चार सालों में पूरी तरह लोकतंत्र की हत्या कर दी गई, बार–बार गला घोंटा गया; चाहे वो सीबीआई हो, उसको तोता बना दिया गया। मीडिया है, उसको पूरा कब्जे में ले लिया गया। इलैक्शन कमीशन का हाल सब लोगों ने देखा है। हम लोग बहुत पीड़ित हैं। यहाँ के बीस विधायकों को किस तरीके रातों–रात इलैक्शन

कमीशन ने डिसक्वालीफाई कर दिया। वो तो माननीय कोर्ट का भला हो.... एक तो स्तंभ अभी बाकी है हमारे देश के अंदर जो कम से कम जनता के साथ खड़ा है, देश के साथ खड़ा है नहीं। तो चारों जो लोकतंत्र के स्तंभ तीन स्तंभों को हिला के रख दिया है सरकार ने, कहीं भी.... कहीं मौका मिलता है तुरंत पूरी तरह से उसका इस्तेमाल करते हैं और मैं ये कहना चाहता हूँ; ये जो दिल्ली के अंदर दस लाख से ज्यादा वोट जो कटे हैं, उसके पीछे भारतीय जनता पार्टी की सरकार का हाथ है, मोदी सरकार का हाथ है और ये जो इलैक्शन कमीशन ने किया है, वो भारतीय जनता पार्टी के इशारे पर, मोदी सरकार के इशारे पर किया है क्योंकि दिल्ली के अंदर जो पिछले साढ़े तीन साल में अरविंद केजरीवाल की सरकार ने जो काम करके दिखाया है, अभी चार दिन पहले की बात है; पाँच सौ सड़कों का उदघाटन किया। अरविंद केजरीवाल जी ने हमारे मुख्य मंत्री जी ने मैं कहना चाहता हूँ, पिछले 15 साल की सरकार जो यहाँ पर रही होगी, उन्होंने 15 साल में 500 सड़कें नहीं बनाई होंगी, हमारे मुख्य मंत्री ने पाँच सौ सड़कों का उदघाटन किया। ये तमाम जो काम हमने किए शिक्षा के क्षेत्र में, स्वास्थ्य के क्षेत्र में, बिजली के क्षेत्र में, पानी के क्षेत्र में तमाम जो काम किये, वो इससे बुरी तरह से घबराई हुई है भारतीय जनता पार्टी और बुरी तरह बौखलाये हुए हैं। उनको समझ नहीं आ रहा है कि अरविंद केजरीवाल को रोकने का तरीका क्या है! कभी अरविंद केजरीवाल पर हमला करने की कोशश करते हैं, आज भी एक जिंदा कारतूस लिये आदमी वहाँ पकड़ा गया। इतनी सब कुछ बात होने के बाद कल तमाम बातें हुईं, यहाँ पर पूरे दिन चर्चा हुई कि अरविंद केजरीवाल की जान को खतरा है और ये भारतीय जनता पार्टी के लोग, ये लोग अरविंद केजरीवाल को मरवाना चाहते हैं। उसके बाद भी पुलिस सक्रिय नहीं हुई जब कि कल इतनी सारी बातें होने के बाद

तमाम विधायकों ने भी कहा था, कुछ खिलाफ भी थे लेकिन अरविंद जी का बहुत बड़ा दिल है। उन्होंने फिर कहा, ''नहीं 95 परसेंट पुलिस जो है, बहुत बढ़िया है, अच्छे लोग हैं और हमारा परिवार है और हम जो भी उनके लिए जो बढ़िया से बढ़िया कर सकते हैं, वो करेंगे।'' लेकिन उसके बावजूद पुलिस की तीन लेयर की चेकिंग के बाद सीएम हाऊस के अंदर आज फिर एक व्यक्ति पकड़ा गया जिसके पास जिंदा कारतूस पकड़ा गया। ये सब क्या हो रहा है, ये समझ नहीं आ रही अध्यक्ष जी। तमाम ये साजिश अरविंद केजरीवाल को बीच अपने सामने से हटाने की है। या तो अरविंद केजरीवाल की हत्या करवा दो या फिर ईवीएम के माध्यम से हरवा दो या फिर वोट कटवा के हरवा दो। क्योंकि तमाम जो टारगेट किए गये हैं, वोट अभी वो सारे झुग्गी कालोनी के वोट हैं, जेजे कालोनी के वोट हैं, जो तमाम आम आदमी पार्टी का जो काडर वोट है, उस पर टारगेट किया गया है। जहाँ भी देखिए, पॉश कालोनीज में वोट ज्यादा नहीं कटे हैं। जहाँ पर जेजे कालोनी हैं, मेरे यहाँ शकूरपुर जे जे कालोनी हैं, बहुत सारे वोट सुओ–मोटो ले लिया गया है। कैसे ले लिया साहब, सुओ–मोटो? बहुत से लोग जो जिंदा हैं, उनको मार दिया गया, उनका वोट काट दिया गया। बहुत से लोग जो शिफ्ट नहीं हुए, उनको शिफ्ट करके दिखा दिया गया। बहुत सारे किरायेदार हैं, उनको अपने आप ही मान लिया कि किरायेदार हैं, चले गये होंगे। तो ये जो सोची समझी ये साजिश है अध्यक्ष जी, भारतीय जनता पार्टी की और मोदी सरकार की ये किसी तरह से भी बुरी तरह घबराये हुए हैं और क्योंकि अभी चुनाव हैं; लोक सभा का चुनाव आने वाला है; मार्च अप्रैल मई के अंदर, तो बहुत बुरी तरह घबराये हुए हैं और ये रास्ते ढूँढ रहे हैं कि कौन सा रास्ता ऐसा मिले जिस रास्ते से हम अरविंद केजरीवाल को हरा पायें लेकिन मैं आज इस सदन के माध्यम से कहना चाहता

हूँ कि भारतीय जनता पार्टी वालो, जितनी मर्जी साजिश करते रहो, जितने मर्जी तुम मिर्ची वालों को भेजते रहो, जितने मर्जी तुम जिंदा कारतूस वालों को भेजते रहो, कुछ बिगड़ने वाला नहीं है। पूरी कायनात अरविंद केजरीवाल के साथ है और तमाम जो साथ के साथ हमारे जो सांसद के भी चुनाव होंगे, उसमें जो साथ के साथ हमारे जो कैंडिडेट हैं, वो तब फिर भी जीत कर आयेंगे। आप जो मर्जी साजिश कर लीजिए, पूरे देश की जनता जानती है। दिल्ली की जनता जानती है कि भारतीय जनता पार्टी क्या कर रही है और 2019 के अंदर इनको इसका जवाब मिलेगा, बहुत बढ़िया से मिलेगा, बहुत बहुत धन्यवाद, जयहिंद।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद। ऋतुराज जी

श्री ऋतुराज गोविंदः अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूँ कि इतने महत्वपूर्ण विषय पर आपने मुझे आज बोलने का मौका दिया है।

अध्यक्ष महोदय, मैं एक ऐसे विधान सभा क्षेत्र से आता हूँ जो कि प्रवासियों का विधान सभा क्षेत्र है और वहाँ पर 90 प्रतिशत से ज्यादा लोग प्रवासी लोग हैं जहाँ पर बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, उत्तराखंड से लोग आकर के माइग्रेट लोग हैं जिन्होंने मेहनत मजदूरी के कमाये हुए पैसों से 20–25–30 गज का प्लॉट खरीदकर के अपना आशियाना बनाया और दिल्ली में अपने बच्चों के साथ गुजारा कर रहे हैं, अपना काम–धाम कर रहे हैं।

हमारे खुद के विधान सभा क्षेत्र में हजारों की संख्या में लोगों के वोट काटे गये। ये वो लोग थे जो गरीब लोग हैं, जो इन्टरनेट का इस्तेमाल और टैक्नीकली इतने साऊंड नहीं होते हैं जो बार–बार अपना वोटर लिस्ट में नाम नहीं चैक कर पाते हैं। विशेष कर के गरीब प्रवासी लोग जेजे कलस्टर में रहने वाले लोग,

अल्पसंख्यक, दलित खास कर के उन समुदायों को टारगेट किया गया है। अध्यक्ष महोदय, जिसके बारे में ये खास तौर पर जानते हैं कि आम आदमी पार्टी के वोटर हैं। आम आदमी पार्टी गरीबों की पार्टी है और गरीब लोग अधिकतर या तो जेजे कलस्टर में रहते है अनऑथराइज कालोनी में रहते हैं, झुग्गी बस्ती में रहते हैं और इन तमाम जो रिसैटलमैंट कालोनीज हैं, उसको टारगेट किया गया है; सरनेम देख–देख कर के वोटर लिस्ट से नाम काटने का कोशिश किया गया है। आपको मैं बताना चाहता हूँ कि मेरे हाथ में ये पेपर है, ये मीटिंग हमारे नॉर्थ वेस्ट क्षेत्र में दस/दस को हुआ था, दस अक्टूबर को जिसमें श्री सारंगी जी आये थे मीटिंग को कनडक्ट करने के लिए। उस मीटिंग के अंदर में इसकी मिनटस की कापी है, अध्यक्ष महोदय, जिसमें हमने विशेष तौर पर इस मुददे को उठाया था, आज से ठीक दो महीने पहले कि: 'The issue of deletion of name of voter from voter list by BLOs without proper checking phisical varificaiton of address.' ये मैं सबूत लेकर के आया हूँ अध्यक्ष महोदय।

हमने बार–बार, हर मीटिंग के अदंर में ये मुद्दा उठाया कि पिछले काफी समय से सरनेम देखकर के, नाम के पीछे खान है तो डिलीट कर दो, नाम के पीछे बिड़लान है तो डिलीट कर दो, नाम के पीछे झा जी है तो इसका मतलब पूर्वांचल का है। मतलब ऐसा तरीका इन्होंने अपना रखा है जिससे कि बीएलओज इनके जाते हैं, बूथ के एरिया में किसी साहुकार के यहाँ पर बैठते है, उससे पूछते है कि इसमें से नाम बताइये कौन–कौन नहीं हैं, वो जो उनको बताता है, उसका नाम वो काट देते है। पूरी तरीके से राजनीतिक महत्वाकांक्षा के तहत ये कार्य किया जा रहा है।

अध्यक्ष महोदय, मैं पूरे दावे के साथ एक बात कहना चाहता हूँ कि दिल्ली के लोगों ने, दिल्ली में एक पॉपुलर सरकार है जिसको 70 में से 67 सीटें दिल्ली की जनता ने दिया था। एक–एक विधायक 50–50, 70–70 हजार वोटों से जीतकर के आया। दिल्ली की जनता ने इतना अपार समर्थन दिल्ली की सरकार को दिया, तब से ये बीजेपी की सरकार इतनी घबराई हुई है कि कभी लेफ्टिनेंट गवर्नर के माध्यम से हमारे काम में रोड़े अटकाते हैं.... जब आज सुप्रीम कोर्ट के ऑर्डर के बाद जब दिल्ली की स्थिति थोड़ी बेहतर हो रही है तो आज इन्होंने एक नया तरीका अपनाया है, क्योंकि वोट तो लोग इनको देने वाले नहीं है। क्योंकि जितने भी जुमलेबाजी इन्होंने किया था कि सब नौजवानों को 15–15 लाख मिलेगा, दो करोड़ नौजवान को रोजगार मिलेगा, किसानों को डेढ़ गुणा लागत मिलेगी और एक सर, अगर पाकिस्तान काटेगा तो दस सर, काटकर के लाएँगे और इन्होंने कहा था कि 'बहुत हुआ महिलाओं पर अत्याचार', 'बहुत हुआ महंगाई की मार', 'बहुत हुआ डीजल पेट्रोल की मार', हर कोई जुमला साबित हुआ। 'अच्छे दिन आने वाले हैं, आ तो गए अच्छे दिन... कि अच्छे दिन तो ऐसे आ गए कि आज हर आदमी त्रस्त है नोटबंदी से, सीलिंग से। अध्यक्ष महोदय, एक–एक आदमी भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को गाली दे रहा है। इनको पता है कि आने वाले चुनाव में इनका हश्र क्या होने वाला है। इसीलिए ये घटिया रणनीति के तहत ये सारा कार्य हो रहा है। पहले ईवीएम टेम्परिंग करते थे, जब उसका एक्सपोज हो गया तो आज इनको पता है कि वोट तो मैनेज हो नहीं रहा है। बूथ वाइज अगर सौ–सौ, दो–दो सौ वोट भी अगर काट दिए दूसरी पार्टी का, अपनी लाइन तो लम्बी हो नहीं रही है, दूसरे के लाइन को छोटी करने की कोशिश हो रही है, अध्यक्ष महोदय। इससे खतरनाक कुछ नहीं हो सकता, अध्यक्ष महोदय।

सबसे बड़ी बात तो ये है कि वोट का अधिकार क्या है? साथियो! ये हमारा फंडामेंटल राइट है। बाबा साहब अम्बेडकर ने 'Universal Adult franchise' शब्द का इस्तेमाल संविधान में किया था। भारत की आजादी से पहले अमेरिका आजाद हुआ, जापान आजाद हुआ, फ्रांस आजाद हुआ। तमाम देशों के अंदर में महिलाओं को वोटिंग का अधिकार नहीं दिया गया था। अलका जी, महिलाओं को वोटिंग का अधिकार नहीं दिया गया था। किसी देश में 50 साल के बाद दिया गया, किसी में 100 साल के बाद दिया गया, किसी विशेष कम्युनिटी को बाद में अधिकार दिया गया। लेकिन भारत, हमारा जो भारत महान देश है, जब हमें आजादी मिली, बाबा साहेब अम्बेडकर ने जब हमारा संविधान का, संविधान निर्माता बाबा साहेब अम्बेडकर ने जब हमारा संविधान को लिखा तो उसमें एक शब्द का इस्तेमाल किया गया 'Universal Adult Franchise' यानी कि वो व्यक्ति चाहे महिला हो, पुरूष हो, हिंदू हो, मुसलमान हो, There will be no difference on the basis of caste, creed and colour. और हम लोगों को अधिकार मिला। हमें गर्व है उस बात पर। लेकिन आज हमारे संवैधानिक अधिकार छीनने का काम राजनीतिक रूप से किया जा रहा है। इससे शर्मनाक अध्यक्ष महोदय, कुछ नहीं हो सकता है और खासकर के प्रवासी लोगों का वोट काटा जा रहा है। किराड़ी में रहने वाले लोग, बुराड़ी में रहने वाले लोग, जेजे कलेस्टर में रहने वाले, अनऑथराइज कॉलोनी में रहने वाले लोग असली मायने में दिल्ली के वासी लोग हैं। हमने दिल्ली को दिल्ली बनाया है। हमने मैट्रो बनाया है। हमने सड़कें बनायी हैं। हमने मेहनत मजदूरी से कमाए हुए पैसों से अपना आशियाना बनाया है। हमने खैरात में जमीन नहीं पाया है। हमने खैरात में मकान नहीं पाए हैं। अगर हमारे संवैधानिक अधिकार को कोई छीनने का अभियान करेगा, तो करारा जवाब आने वाले चुनाव में मिलेगा। कितना

भी ईवीएम टेम्परिंग कर लो, कितना भी कुछ कर लो। वोटर लिस्ट से नाम खासकर के उन गरीब लोगों का हटाया जा रहा है जो अपना नाम इंटरनेट पर चेक नहीं कर सकते। वो समझते हैं कि मेरी जेब में वोटर कार्ड है तो वोट देने का अधिकार है। जिस दिन वो वोट देने के लिए वोटर सेंटर पर पहुंचेंगे, उस दिन उनको बताया जाएगा कि आपका नाम वोटर लिस्ट में है ही नहीं। हम लोगों ने निगम के चुनाव में भी इसको एक्सपीरिऐंस करने का काम किया। इससे शर्मनाक कुछ नहीं हो सकता है, साथियो! और मैं एक चीज कहना चाहता हूँ। आज पूरे देश के अंदर में रहने वाले की स्थिति उन्होंने बना दी है। हर काम राजनीतिक माध्यम से करते हैं। हमारे मुख्य मंत्री के ऊपर में कभी मिर्ची अटेक हो रहा है, कभी जिंदा बुलेट मिल रहा है। ऐसे लोगों से क्या उम्मीद करोगे? जिनका अध्यक्ष तड़ी पार हो, जो अपना राजनीति की महत्वकांक्षा को पूरा करने के लिए पत्रकार ममता को मरवा सकता है, जस्टिस लोया को मरवा सकता है, तमाम हथकंडे अपना सकता है, वो दिल्ली के अंदर जानते हैं कि एक पॉपुलर सरकार है, जिसको कभी जिदंगी में तुम मात नहीं दे सकते हो, उसे मात देने के लिए ये सारी तिकड़म–बाजी हो रही है। ईवीएम टेम्परिंग है, वोटर लिस्ट से नाम कटवाते हैं। 10 लाख लोगों के वोटर लिस्ट से, जिसका नाम काटा गया है।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माँग करना चाहता हूँ, इलेक्शन कमिशन ऑफ इंडिया को हम सब लैटर लिखें और हम लोग जाकर के राष्ट्रपति जी से भी मिलें कि जिन 10 लाख लागों के वोटर लिस्ट से नाम काटे गए हैं, वो एक संविधान के अधिकार का हनन है और 10 लाख के 10 लाख लोगों का नाम वापस जिन लोगों के डिलीट किए गए थे, वापस जोड़ा जाए और उनके अधिकार से अगर हम वंचित करते हैं तो इससे बड़ा संविधान का अपमान नहीं हो सकता है,

संविधान के निर्माताओं का अपमान नहीं हो सकता है। पूर्वांचल के लोगों के ही 70 प्रतिशत वोट काटे हैं इन्होंने, 70 प्रतिशत से ज्यादा। हमारे किराड़ी क्षेत्र में 40 हजार से ज्यादा लोगों के वोट काटे हैं आपने। 50 हजार वोटों से हराया था आपके कैण्डिडेट को। बुराड़ी में भी उतने लोगों का काटा है, करावल नगर में भी काटा है। हर उस जगह पर काटा है जहाँ पर प्रवासी लोगों का बहुल, जो भी प्रवासी बहुल क्षेत्र हैं, बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, उत्तराखंड के लोग रहते हैं। विशेष तौर पर गरीब लोगों की पार्टी है। क्योंकि आपने आज तक केवल नारा दिया था, अंत्योदय करेंगे, पंक्ति में खड़े हुए अंतिम व्यक्ति का अगर भला किसी ने किया है 70 साल के अंदर तो उसका नाम भाई अरविंद केजरीवाल है, चाहे बिजली के रूप में हो, पानी के रूप में हो, शिक्षा के रूप में। और पंक्ति में खड़ा हुआ अंतिम व्यक्ति के जेब तक डायरेक्ट–इनडायरेक्ट बेनिफिट किसी ने पहुँचाया है, तो वो आम आदमी पार्टी है। गरीबों की पार्टी है, गरीबों की बात करती है। इसीलिए अम्बानी, अडानी की पार्टी गरीबों का दुश्मन बनी हुई है और गरीबों के साथ में उनका सबसे बड़ा अधिकार, वोट देने का अधिकार जो कि सबसे बड़ा राइट टु इक्वेलिटी का हमारे संविधान ने... उदाहरण है राइट टु इक्वेलिटी मतलब अमीर के वोट का भी एक अधिकार है और गरीब के वोट का भी एक अधिकार है। उस अधिकार से आप वंचित नहीं कर सकते है। आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूँ, जय हिंद, जय भारत।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद, धन्यवाद। श्री बाजपेयी जी।

श्री अनिल बाजपेयीः धन्यवाद अध्यक्ष, महोदय जी, कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया। भारतीय संविधान अनुच्छेद 325, 326 के अंतर्गत प्रत्येक वयस्क को मत देने का अधिकार है। लेकिन आज अगर हम दूसरी तरफ देखें तो जिस

तरह दिल्ली के अंदर लोगों को मत देने का अधिकार है, उससे उनको वंचित किया गया है। मेरी गांधी नगर विधान सभा में भी 17 से 18 हजार वोट लगभग काटे गए हैं। डोर टू डोर के अंतर्गत जब हमारे साथियों ने उसका सर्वे किया तो मैं कुछ डाटा जरूर सर, आपके सामने लाया हूँ मैं कि DL/04/04186373 इस बहन का नाम है रानी, मोबाइल नम्बर भी दिया है, इस तरीके से कम से कम एक ही मकान में रहने वाले 22 लोगों के वोट काटे गए हैं और एक ही गली के। इस तरीके से कम से कम जो हमारा चार दिन की हमारे साथियों ने सर्वे किया है, तो मात्र कम से कम 1300 लोगों का एक ही मोहल्ले के अंदर और चार—पाँच बूथों के अंदर वोट काटे गए हैं। ये बड़ा ही शर्मनाक है और लोग वहाँ पर रह रहे हैं। हम लोग उनसे 10 रुपये का एफिडेविट भी बनवा रहे हैं कि अगर किसी का वोट काटा जाता है तो सबसे पहले जो बीएलओ है और इलेक्शन ऑफिस की ओर से उसको नोटिस जारी किया जाता है। ये एक कानूनी प्रक्रिया है और जिन लोगों के नाम काटे गए हैं, माननीय अध्यक्ष महोदय, कम से कम जो चुनाव आयुक्त हैं दिल्ली के, उनको यहाँ पर विधान सभा में तलब करने का अधिकार आपको है। हम लोग ये तो पूछ सकते हैं उनसे कि जिन लोगों के वोट काटे गए हैं, कम से कम उन लोगों को नोटिस कितने लोगों को दिए गए हैं। अगर वो बताते हैं, हम लोगों ने इतने लोगों को नोटिस दिए हैं ये, और अगर उस नोटिस का जवाब अगर नहीं दिया गया है तो ये लोकतंत्र पर बहुत बड़ा हमला है और ये एक बहुत बड़ी भारतीय जनता पार्टी की साजिश के अंतर्गत दिल्ली की सत्ता को अपदस्थ करने का एक बहुत बड़ा, एक घातक एक जो है, इनकी योजना है सर, ये।

दूसरी बात, मैं सर कह देना चाहता हूँ कि जो बीएलओ काम कर रहे हैं, हमारी लगभग सबकी विधान सभाओं में बीएलओ हैं और एक बीएलओ रोहिणी के

अंदर रहता है और परसों मामला जो हमारे साथी डोर टू डोर कर रहे थे, भाटिया नाम का एक बीएलओ है, जो रहता रोहिणी के अंदर है और उसको कहा गया कि भई, ये जाइये, वो कहता है, जी, 500 रुपये हमको दे दो और अगर आप 500 रुपये नहीं देंगे तो हम आपके वोटर कार्ड पर लिखकर दे देंगे कि आपका नाम हम काट देंगे। और वहाँ के लोगों ने रिटन में शिकायत मेरे को लिखकर दी है। माननीय इमरान हुसैन जी, मंत्री जी हमारे बैठे हैं। हम इनको लिखकर कल इनके ऑफिस में आकर उन लोगों से, जिससे बीएलओ ने पैसे मांगे हैं, मैं आपको लिखकर दूँगा माननीय मंत्री जी। और ऐसे जितने कॉंग्रेस के और भाजपा के लगाए हुए जो बीएलओ हैं, ये सब इस तरीके से इनका काम कर रहे हैं, भाजपा के लोगों को... सर, इसकी जाँच होनी चाहिए और कम से कम आज इस विधान सभा में एक प्रस्ताव सर, जरूर पास हो जाना चाहिए कि वोट देना... चाणक्य ने भी कहा है और सभी बड़े–बड़े लोगों ने भी कहा है और हम लोग इसके लिए मतदाता, वोट कैसे बढ़ाए जाएँ, उस तरीके से वोटरों को जागरूक किया जाए, हम लोग इसके लिए कार्यक्रम करते रहते हैं और आज उनकी कॉन्स्टिट्यूएंसी के बीस–बीस हजार, चालीस–चालीस हजार अगर वोट काट दिए जाएँ सर, तो लोग वोट कैसे देंगे? तो मेरा आपसे अनुरोध है कि कम से कम जो यहाँ के जो दिल्ली के चुनाव आयुक्त हैं, उनको कम से कम सर, आप यहाँ सदन में बुलाइए और ये सारे विधायकों की भावना है और सबके मतलब, प्रजातंत्र की भी भावना है ये और इसके खिलाफ जो भी एक्शन होना चाहिए सर, वो उन पर होना चाहिए, आपका बहुत–बहुत धन्यवाद, बहुत–बहुत शुक्रिया।

माननीय अध्यक्षः श्री पवन शर्मा जी। प्रमिला टोकस।

श्रीमती प्रमिला टोकसः धन्यवाद, अध्यक्ष जी। आज हम बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दे पर यहाँ पर चर्चा कर रहे हैं; 'लोकतंत्र की हत्या होने से बचाया जाए, कैसे बचाया जाए?' और ये लोकतंत्र की हत्या क्यों कराई जा रही है? क्योंकि दिल्ली सरकार ने इतने अच्छे काम किए हैं और कल भी हमारे साथी बता रहे थे कि हमारे माननीय प्रधान मंत्री खुद तो 10 लाख का कोट पहनते हैं लेकिन उन्होंने 15 लाख की टोपी भी जनता को पहनाई है और किस प्रकार से आम आदमी ने काम किया है, उसको कैसे रोका जाए और एक महत्वपूर्ण जो कार्य है, दिल्ली की सेफ्टी के लिए जो हमने सीसीटीवी कैमरे लगाने का जो वायदा हमने किया था, वो वायदा अभी पूरा होने जा रहा है। इसलिए मुझे लगता है कि भारतीय जनता पार्टी को ये दर्द है; कहीं न कहीं कि इतना अच्छा काम करे, जो सीसीटीवी कैमरे का जो लोगों में क्रेज है, वो कहीं न कहीं उनको खल रहा है कि सीसीटीवी कैमरे अगर लग गए तो बीजेपी के साथियों का क्या होगा और जिस प्रकार से दिल्ली सरकार ने काम करके दिखाए हैं, अब और ज्यादा लोगों में करंट है कि आगे से अब जो हमारा चुनाव होगा 2019 में, भारतीय जनता पार्टी को मुँह की खानी पड़ेगी। हमारी सरकार ने... जो बच्चा अभी पैदा भी नहीं हुआ है, उसके बारे में सोचते हुए जो कार्य किए हैं, जो हमारी गर्भवती महिलाएँ हैं, उन पर जो हमने काम किया है, उनको पौष्टिक आहार देने का, जो बच्चे आंगनवाड़ी में आते हैं, उनके लिए पौष्टिक आहार का जो आयोजन किया है, जो पहले आंगनवाड़ी में जो भोजन दिया जाता था, वह ऐसा भोजन होता था कि उसको कोई नहीं खाता था, उसको कूड़े में डालते थे और जो अब उन बच्चों को पौष्टिक आहार दिया जाता है तो बच्चे भी बड़ी खुशी होके उस भोजन का आनंद लेते हैं।

और फिर हम स्कूल की तरफ आते हैं तो स्कूल में भी इतना बेहतर कार्य किया है, मैं इसकी चर्चा पहले भी कर चुकी हूँ। क्योंकि जब हमारी बात होती है जो मेरे एरिया में ज्यादा झुग्गी–झोपड़ी कलस्टर हैं; सभी बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ते हैं और जब उनके पेरेंटस से हम बात करते हैं तो वो इतनी खुशी का उनका ठिकाना नहीं रहता कि किस प्रकार से प्राइवेट स्कूलों को उन्होंने बेहतर किया। जो हमारी सरकारी स्कूल थे उनका सिस्टम कितना गिराया और अभी एमसीडी का भी, जो हमारे एमसीडी के स्कूल हैं, वो भी कितने खस्ता हालत में हैं और वो उसको पूरी तरीके से उसका जो कार्य है, वो नहीं कर पा रहे। वो एक एनजीओ को देने की सोच रहे हैं और कुछ स्कूल दे भी चुके हैं। तो किस प्रकार से दिल्ली सरकार ने काम के लिए वोट उस तरीके से काटे गए हैं क्योंकि इनको पूरा खतरा है कि दिल्ली में ही नहीं अब हरियाणा, छत्तीसगढ़, राजस्थान में भी हमारी सरकार बनने वाली है, वहाँ पर भी ये ऐसे ही कार्य करेंगे तो इनकी तो पूरी दिल्ली से जैसे कॉग्रेस सरकार खत्म हो गई, ऐसे ही भाजपा भी खत्म हो जाएगी, कहीं न कहीं इस बात का उनको डर है। अगर तुम्हें हत्या ही करनी है तो भुखमरी की हत्या करिए, भ्रष्टाचार की हत्या करिए, गरीबी की हत्या करिए। जिस प्रकार से हमारी सरकार ने भ्रष्टाचार पर लगाम लगाई, दिल्ली में किस तरीके से डैंगू की महामारी बढ़ती थी और अब डैंगू का एक भी केस दिल्ली में नहीं हुआ। ये इतनी अच्छी तरीके से हमने डैंगू पर... जब एक बार हमारी सरकार ने कार्य किया, उसके बाद से डैंगू के जो केस हैं, वो बहुत कम हो गए हैं और दिल्ली में किसानों को, जो 20 हजार रुपए प्रति एकड़ मुआवजा दिया गया, ये इतिहास में पहली बार हुआ है और भारत में पहली बार हुआ है कि इतना मुआवजा किसी सरकार ने दिया तो वो दिल्ली सरकार ने माननीय मुख्य मंत्री अरविंद केजरीवाल जी की

सरकार ने दिया और किस तरीके से हमने भ्रष्टाचार पर लगाम लगाईं जमीन... 90 लाख के बनने वाले बैड को, 15 लाख में किस तरीके से बनाया गया, उस पर हमने भ्रष्टाचार पर लगाम लगायी। साढ़े आठ हजार करोड़ के दो फ्लाई ओवर को केवल छः सौ करोड़ में बनवाकर हमने भ्रष्टाचार पर लगाम लगायी; ढ़ाई सौ करोड़ बचत करके और जो ढ़ाई सौ करोड़ का पुल था वो डेढ़ सौ करोड़ में बनाए। किस तरीके से हमने भ्रष्टाचार पर लगाम लगायी, वो इस भाजपा... वो इसी चीजों से कहीं न कहीं मुझे लगता है कि दुःखी है, आहत है इसीलिए उन्होंने हमारे दिल्ली के वोटरों की, जो वोट देने का अधिकार है, उसको खत्म करने की साजिश की है।

अध्यक्ष जी, मेरे विधान सभा में 35 से 40 हजार वोट काटे गए हैं और मेरी आर. के. पुरम विधान सभा को मिनी इंडिया के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि मेरी विधान सभा में सभी राज्यों से आये हुए लोग रहते हैं। तो कहीं न कहीं... मेरे विधान सभा में क्लस्टर बहुत ज्यादा हैं, सबसे ज्यादा क्लस्टरों की वोट काटी गई है, जो आम आदमी पार्टी से इतनी खुश हैं।

अध्यक्ष जी, मैं बहुत ही दुखी.... क्योंकि ये लोकतंत्र की हत्या है, इस लोकतंत्र की हत्या को बचाने के लिए जिन लोगों ने ये वोट काटी हैं, उन पर कार्रवाई की जाए, किस एजेंसी ने, किस अधिकारी ने लोगों की वोट काटी है, उन पर कार्रवाई की जाए और जिन लोगों के वोट काटे गए हैं, वो वापस वोटर लिस्ट में जोड़े जाएँ और एक कमिटी बनाई जाए ताकि जो ऐसे अधिकारी हैं या एजेंसियाँ हैं जिन्होंने इतना घिनौना काम किया है, जो अपने वोट को, मतदाताओं को मत देने से वंचित रखा गया, उन पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए, धन्यवाद अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्षः श्री विजेन्द्र गुप्ता जी।

श्री विजेन्द्र गुप्ताः अध्यक्ष जी, मैं तथ्यों के आधार पर अपनी बात कहने के लिए यहाँ आपके बीच में उपस्थित हूँ। अभी जिन सदस्यों ने यहाँ अपने विचार रखे हैं, मेरे तथ्य रिकॉर्ड पर लिए जाएँ जिससे कि अध्यक्ष जी, कोई ये न कहे कि इन्होंने गुमराह किया है। अभी हमारे बीच में किराड़ी के विधायक बोल रहे थे, मैंने सभा शुरू होने से पहले भी उन्हें ये जानकारी दी थी। 2017 में इनके यहाँ वोट जो बढ़े 8915 और डिलीट हुए 235, पिछले चार साल में चूँकि क्षेत्र में वोट एडीसन हुआ 25,759 वोट का और डिलीसन हुआ 16,131 वोट का। अभी हमारे गाँधी नगर के विधायक बोल रहे थे–अनिल बाजपेयी जी, इनके क्षेत्र में जो 2017 में 5011 वोट बढ़े और डिलीट हुए 492 और गाँधी नगर में पिछले चार साल में 14,524 वोट एड हुए और 11,472 कटे।

अभी त्रिनगर के हमारे विधायक बोल रहे थे– तोमर साहब, उनके क्षेत्र में 2017 में 3750 वोट जुड़े और 1868 वोट कटे, चार साल में 12417 बढ़े, 11,071 कटे। उसके पहले... मैं सारे बता रहा हूँ। उसके अलावा अभी यहाँ पर तुगलकाबाद में, सब मेरे पास फीगर्स हैं, तुगलकाबाद में 8,148 वोट जुड़े और 2017 तक 5300 कटे और कुल मिला के चार साल में 15,751 जुड़े, 10,648 कटे। अब मैं बताता हूँ।

अभी यहाँ पर त्रिनगर, तुगलकाबाद, किराड़ी, गाँधीनगर, अभी आर.के. पुरम की मैडम बोल रही थी। उनके यहाँ आर.के.पुरम में... ओखला का बता देता हूँ।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः भई, उनको बोलने दें।

श्री विजेन्द्र गुप्ताः ओखला का बता देता हूँ।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः अजय दत्त जी।

श्री विजेन्द्र गुप्ताः ओखला में चार साल में...

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः बोलने दें, बोलने दीजिए उनको।

श्री विजेन्द्र गुप्ताः 35367 वोट जुड़े और 20162 वोट कटे। इसके बाद आपको बुराड़ी का बता देता हूँ। बुराड़ी में 43431 वोट जुड़े, 10505 वोट कटे।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः प्रमिला जी, ऐसे नहीं प्लीज।

श्री विजेन्द्र गुप्ताः मैं आपको मुस्तफाबाद का बता देता हूँ, 23679 बढ़े।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः प्रमिला जी, प्लीज।

श्री विजेन्द्र गुप्ताः 10576 कटे। सीलमपुर में 17069 वोट बढ़े, 12430 कटे। मटियामहल में 12496 वोट जुड़े, 12963 कटे। बल्लीमारान में... मैं ये तमाम फिगर अध्यक्ष जी...

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः सोमनाथ जी, अब समय दिया है तो, ऐसे नहीं।

श्री विजेन्द्र गुप्ताः अभी मैं आपको कुछ और...

माननीय अध्यक्षः ये नहीं, समय दिया है तो उनको बोलने दीजिए।

श्री विजेन्द्र गुप्ताः आँकड़े दे रहा हूँ।

माननीय अध्यक्षः प्लीज, अगर गलत होगा वो स्टेटमैंट रिकॉर्ड हो रही है ना।

श्री विजेन्द्र गुप्ताः फरवरी... फरवरी 2015...

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः सही राम जी, वो आँकड़े जो दे रहे हैं, वो सदन में तो अगर वो आँकड़े गलत हो गये...

श्री विजेन्द्र गुप्ताः जरा भी कमी हो तो सदन जो तय करेगा, मैं मंजूर करूँगा। मेरे दिये हुए आँकड़ों में अगर जरा भी कमी हो, कोई गलती हो तो जो सजा ये सदन तय करेगा, मैं मंजूर करूँगा। अब मैं आगे बात करूँ?

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः सही राम जी, एक सेकंड।

श्री विजेन्द्र गुप्ताः फरवरी 2015 में...

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः सही राम जी, बात सुनिए। अगर ये आँकड़े गलत हैं...

श्री विजेन्द्र गुप्ताः वोट थे.... एक करोड़ 33 लाख 9 हजार 105 और आज वोट हैं एक करोड़ 36 लाख, 15 हजार 776 लगभग 3 लाख 6 हजार वोटों की वर्षद्धि हुई है। यानी कि दिल्ली के अंदर...

माननीय अध्यक्षः चलिए आप चैलेंज करिए ना, रिकॉर्ड में आ रहा है।

श्री विजेन्द्र गुप्ताः एक सिस्टम लागू हुआ था।

माननीय अध्यक्षः उसके बाद अगर असत्य होता है तो उसको नोट करिए आप सारे।

श्री विजेन्द्र गुप्ताः सॉफ्टवेयर उस सॉफटवेयर से हमें सबको इस बात की खुशी होनी चाहिए कि वोटों का डुप्लीकेशन समाप्त होता है, वोटर लिस्ट ऑर्डर में आती है। अभी 31 अगस्त को इलैक्ट्रोल ऑफिसर ने एक मीटिंग बुलाई थी। इसके मिनटस मेरे पास हैंः 'Regarding special summary revision of electoral rolls 1/1/19 as qualifying date in the conference hall of CEO, Dehi.' इसमें आम आदमी पार्टी के दो नेता पंकज गुप्ता और दलीप पांड़े उन्होंने ये 31 अगस्त की मीटिंग और मेरे पास हैं मिनटस। इसमें एक बार भी ये नहीं कहा कि दिल्ली की वोटर लिस्ट में कोई गड़बड़ी हो गई है। आप कहते हैं 10 लाख, 13 लाख वोट... 13 लाख वोट नये जुड़े हैं, पिछले चार साल में। और जो 10 लाख की फिगर है आप यहाँ पर कह रहे हैं अध्यक्ष जी, मेरे पास ईयर टु ईयर है। हर साल की मैं आपको ये बता सकता हूँ कि हर साल कितने वोट कट रहे हैं और कितने वोट जुड़ रहे हैं। दिल्ली में एक नॉर्मल प्रोसेस है; डेथ होती है, लोग दिल्ली से ट्रांसफर होते हैं। वोट का डुप्लीकेशन होता है। ये रेक्टीफिकेशन को बढ़ावा देने की बजाय अगर हम मेरे पास मुख्य मंत्री जी के क्षेत्र के भी हैं, उप मुख्य मंत्री के क्षेत्र के सबके रिकॉर्ड हैं। कहीं भी इस तरह का जो दुष्प्रचार यहाँ करने की कोशिश की जा रही है, ये पूरे इलैक्शन सिस्टम को हताहत करने की कोशिश है, लोगों को गुमराह करने की कोशिश है। इलैक्ट्रोल रिफॉर्म जो हम सबको मिलकर के

उसको मजबूत करना चाहिए, देश के लोकतंत्र को मजबूत करना चाहिए। न सिर्फ लोगों को गुमराह करने के लिए.... अभी मैं आपको कुछ और आँकड़े जो चौंका देने वाले हैं, जिन क्षेत्रों की बात की जा रही है, मैं शुरू करता हूँ। करावल नगर से शुरू करके लास्ट सीट से। या गोकुलपुर से कहें, बाबरपुर से कहें, घोंडा कहें, सीलमपुर कहें, रोहताश नगर तमाम जगह 20 हजार से ज्यादा वोट अगर आप कहें तो वो कम्पैरिजन भी बता देता हूँ। शुरू करिए गोकुलपुर से, गोकुलपुर देखिए, बाबरपुर में मंत्री जी का क्षेत्र है। 18565 वोट बढ़े हैं और बाबरपुर में जो कटे हैं, वो 8473... फिर आप आ जाइए घोंडा में। फिर आप आ जाइये... एक सैकंड...

माननीय अध्यक्षः मैं तो ये सदन पटल पे रखने वाला हूँ।

श्री विजेन्द्र गुप्ताः हाँ बिल्कुल आप रखिये। मेरे पास रिकॉर्ड है। मेरे से लेके रखिये आप।

माननीय अध्यक्षः नहीं–नहीं, मैं रखने वाला हूँ।

श्री विजेन्द्र गुप्ताः घोंडा में... बाबरपुर बता दिया। घोंडा में 8473 वोट कटे हैं और घोंडा में 19960 वोट बढ़े हैं यानी कि जितने दिल्ली के बाहरी दिल्ली क्षेत्र हैं; यमुनापार का क्षेत्र है जहाँ पे गरीब बस्तियाँ हैं, जहाँ पर लोग अनधिकृत बस्तियों में रहते हैं। तमाम जगह वोट बढ़ रहे हैं। ये आँकड़े बता रहे हैं। वोट बढ़ रहे हैं। और दिल्ली में जो वोटों की संख्या बढ़ी है, उसका मुख्य कारण ये है कि दिल्ली का जो बाहरी क्षेत्र है, जहाँ गरीब लोग आकर बसते हैं, उनके वोट बढ़ रहे हैं। आप उन गरीब लोगों को गुमराह करके इस सदन को गुमराह करना चाहते हैं। मैं आपके इनत माम बहानों की पोल खोलता हूँ और दिल्ली के अंदर जो आपने

पिछले एक हफते से गुमराह करने का एक जरिया बनाया हुआ है, वोटर लिस्ट उस पर, आपकी कड़े शब्दों में निंदा करता हूँ, धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः राजेश गुप्ता जी।

श्री राजेश गुप्ताः अध्यक्ष जी, आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। आपने एक गंभीर विषय पर बोलने का मौका दिया।

माननीय अध्यक्षः एक सेकंड... राजेश जी, एक सेकंड। ये मैं सदन पटल पे रख रहा हूँ। ये आठ बूथों की मेरी लिस्ट है, मेरी विधान सभा की जिसके वोट काटे गये थे, इसमें 14 वोट... 1 वोट तो ऐसा है जिसको ये बोल दिया गया डेथ हो गई है और जीवित है। और मिलिट्री का एक्स सर्विसमैन है। मैं ऑन रिकॉर्ड दे रहा हूँ। ऑन रिकॉर्ड दे रहा हूँ। 14 वोट... एक सेकंड... विजेन्द्र जी, अब जब 14 वोट कुल आठ बूथों पर जो चैकिंग लिस्ट है, 14 वोट ऐसे अभी तक प्रोसेस में हैं।

श्री विजेन्द्र गुप्ताः आठ हजार वोट पड़े।

माननीय अध्यक्षः नहीं, वो विजेन्द्र जी, मैं बोल रहा हूँ ना। प्लीज।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः आप चार साल की बात कर रहे हैं ना? आप तो चार साल की बात कर रहे हैं ना। चलो मैं सदन पटल पर दे रहा हूँ। ये वोट जो काटे गये हैं, ये वोट वहाँ रहते हैं और एक वोट तो ऐसा है जिसको कहा गया डेथ हो गई, वो अभी भी वहाँ जीवित है एक्स–सर्विसमैन है।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः हाँ राजेश गुप्ता जी।

श्री राजेश गुप्ताः अध्यक्ष जी, आपने इतने गंभीर विषय पर बोलने का मौका दिया आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। एक मिनट, बन्दना जी।

माननीय अध्यक्षः वो–वो हो गया, आपको मिल गया। मैं तो काटने की बात कर रहा हूँ, जो नाजायज कट रहे हैं।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः जो मैथड फोलो किया गया, जिसको देखिए, मेरी बात सुनिये।

...(व्यवधान)

श्री राजेश गुप्ताः आप तो पीसी कर ही लेते हो बाहर जाके।

माननीय अध्यक्षः मैं चैक करवा रहा हूँ, टोटल चैक करवा रहा हूँ।

श्री विजेन्द्र गुप्ताः तो 8 हजार 221 जुड़े।

माननीय अध्यक्षः कोई बात नहीं, मैं चैक करवा रहा हूँ।

श्री राजेश गुप्ताः विजेन्द्र जी, आप तो बाहर पीसी कर लोगे, हमें बोलने दो यहाँ पर।

...(व्यवधान)

श्री राजेश गुप्ताः अध्यक्ष जी, जो अभी मेरे बाकी साथियों ने अपनी बात को रखा और बल्कि मैं कहना चाहूँगा कि सदन के हमारे साथी विजेन्द्र गुप्ता जी ने

भी एक बात को रखा और जो शायद वो कहना चाह रहे हैं लेकिन वो समझना नहीं चाह रहे, जो हमारे साथी कह रहे हैं... वो कह रहे हैं कि चार हजार या पाँच हजार वोट पिछले 4–5 सालों में किसी विधान सभा में ऐड हुआ। उसमें कोई सवाल नहीं है। सवाल ये है कि वो कटा क्यों? पाँच हजार ऐड हो गया लेकिन अगर आपने 10 हजार काट दिया या दो हजार काट दिया तो काटा क्यों?

श्री विजेन्द्र गुप्ताः ये तो दिल्ली सरकार आप हो।

श्री राजेश गुप्ताः एक मिनट सुनिये। तो ऐड जो होने चाहिए थे तकरीबन 10 हजार या 12 हजार होते और पुराने भी ना कटते, जो जायज नाजायज काटे गये हैं। जायज कटे अच्छी बात है लेकिन ऐसे लोगों के वोटों को काट देना जहाँ पे ये महसूस करना कि शायद ये किसी और पार्टी का वोट है, वहाँ पे उनको काटा गया। डैमोक्रेसी के मूलभूत सिद्धांत पर जिस पर ये शायद एक पार्टी बिल्कुल पूरी तरह यकीन करती ही नहीं है। जिस तरीके से हमारे साथियों ने कहा कि जितनी भी संवैधानिक मर्यादाएँ थी इस देश की, उन सबको चाहे वो इलैक्शन कमीशन हो, सुप्रीम कोर्ट हो, पुलिस हो, मीडिया हो, सीबीआई हो, आरबीआई हो ये किसी को छोड़ के राजी नहीं हैं। ये पूरे तरीके से उनको इस तरीके से कंट्रोल करने की कोशिश करते हैं कि वो उसका वजह है। दरसल ये चुनाव जीतते नहीं हैं, ये चुनावों को मैनेज करते हैं। जिस पार्टी के पास में पूरे देश का सिर्फ 25–30 परसेंट वोट हों और बाकी सब उसके खिलाफ हों तो उसको मैनेज करना पड़ेगा। या तो वो पार्टीज को आपस में बाँटेंगे जब तक दो पार्टीज आपसे में बँटेंगी नही, तो ये जीतेंगे नहीं। जैसे कि एमसीडी के अंदर सीटें निकल जाती हैं इनकी। या फिर ये मशीनों के अंदर कुछ गोलमाल करेंगे। जो हमारे साथ सौरभ भाई ने दिखाया था। अब इन्होंने सब ये आसान तरीका आजमा लिया और ये कि किसी

को वोट देने के लिए जाने ही मत दो। जब उसका वोट ही नहीं होगा तो वो सरकार बदलेगा कैसे। जबकि डैमोक्रेसी का जो सबसे मूल सिद्धांत है, वो वोट है। क्योंकि सरकार के अंदर जो भागीदारी है एक आम नागरिक की, वो इस वोट से ही सुनिश्चित होती है और तो कोई तरीका है नहीं। कोई डॉयरेक्ट तरीका तो है नहीं कि वो संसद मे जायेगा और कानून बना देगा। उसके पास में रेप्रेजेंटेटिवस होते हैं, जनप्रतिनिधि होते हैं। मेरे जैसे आपके जैसे या जो सांसद होते हैं, उनके जैसे। अब आप कुछ मषीनों से सेटिंग करो, कुछ पार्टी में बांट दो; 10–15 परसेंट लोगों की वोट ही गायब कर दो। बाकी जो आपका 30–35 परसेंट वोट है, जिसको आपने बरगलाया हुआ है, किस चीजों को लेकर जो खोया हुआ है जो

दिगभ्रमित है। उसके द्वारा आप सरकार को बना लो ये सोची समझी उस किस्म की राजनीति है और इससे ज्यादा कुछ भी नहीं है। इस देश के इतिहास में अगर जाएँ क्योंकि हमारी कुछ पार्टियों को लगातार साढ़े चार हजार साल पीछे जाने का षौक है। तो ऋगवेद तक के अंदर डेमोक्रेसी की बात है, प्रजातंत्र की बात है। अब उसे भी खत्म कर देना चाहते हैं देश के अंदर जो आज जो माहौल है, जो मॉडर्न डेमोक्रेसी है, जो बाबा साहब अम्बेडकर ने हमें दी। उससे लेकर ऋगवेद तक इस देश के अंदर ये साक्ष्य मिलते हैं कि डेमोक्रेसी किसी ना किसी रूप में आ रही है और आप उसे तबाह करना चाहते हैं। आज पूरे तरीके से खत्म करना चाहते हैं। जिस इलेक्शन कमिशन की आप बात कर रहे हैं... बहुत अच्छी बात है, बहुत सारे सुधार धीरे–धीरे देश के अंदर हुए। पहले फोटो नहीं होती थी, फोटो आने लगी। अब धीरे–धीरे और सुधार उसके अंदर होते चले जा रहे हैं कि किस तरीके से और ज्यादा प्रजातंत्र को साफ–स्वच्छ बनाया जाए। लेकिन फिलहाल भारत की जो रेटिंग है, वो पॉलिटिकल कल्चर में 5.63 है। अब

पॉलिटिकल जो पार्टिसिपेशन है, उससे वो 7.22 है वर्स्ट है। अगर आप डेमोक्रेसी के पैमाने पर उसे नापें तो थर्ड रेट कंट्रीज में आ रही है। आप बहुत तारीफ करने लगते हैं, बार–बार इलैक्शन कमिशन की या एमसीडी की। जो कुछ भी आपसे थोड़े भी संबंधित हैं लेकिन आपको समझना पड़ेगा कि हिन्दुस्तान की जो डेमोक्रेसी के जो आँकड़े हैं, बहुत अच्छे नहीं हैं और उसमें सबसे बड़ा कारण यही है कि जो लोग भागीदार हैं, इस डेमोक्रेसी के नागरिक आप उनको ही मौका नहीं देना चाहते। अगर आप डेमोक्रेसी की ज्यादा परिभाषाओं में जाएँ तो एक लिबरल और एक इल्लिबरल डेमोक्रेसी मानी जाती है। लिबरल डेमोक्रेसी वो होती है, जहाँ वोट के बाद में भी एक आम नागरिक को लगभग सब कुछ जानने का अधिकार है। बहुत ज्यादा ट्रांसपेरेंसी होती है और एक इल्लिबरल डेमोक्रेसी होती है जहाँ पर सिर्फ वोटिंग हो जाए और उसके बाद में सरकार सब कुछ अपने काबू में रखती है और इल्लिबरल डेमोक्रेसी से भी आप नीचे लेकर जाना चाहते हैं हिन्दुस्तान को। एक सीडो डेमोक्रेसी के ऊपर लेकर आना चाहते हैं कि सिर्फ वोटिंग हो जाए लोग वोर्स कर दें, लोग वो वोट भी ना कर पाएँ बल्कि। अब तो आप इस पोजिशन में लाना चाहते हैं देश को कि जो आप चाहें वो सरकार को उसी तरीके से बना लें।

मेरे साथी ऋतुराज भाई ने कुछ बाते रखी थी कि खान, बलियान, झा भी देखकर वोट काट रहे हैं। लेकिन ये चिंता की बात नहीं है ऋतुराज जी, क्योंकि अब तो अगर आप ध्यान से देखेंगे तो भारद्वाज, पहलवान, तोमर, खारी, गाँधी, शर्मा, गोयल, मित्तल, जिंदल, तायल, बिंदल सब आपके खिलाफ जा चुके हैं, अब चिंता नहीं है। अब ज्यादा चिंता नहीं है इधर अब तो खान आपके खिलाफ नहीं हैं, बलियान आपके खिलाफ नहीं है। अब ये गोयल, मित्तल, जिंदल, गोयल, अग्रवाल

सब आपके खिलाफ हो गए हैं। क्योंकि एक बड़ा मशहूर गाना था, आपने सुना होगा कि 'सखी सैंया तो बहुत ही कमात है और मंहगाई डायन खाये जात है।' लेकिन अब तो सैंया कमा भी ना पा रहे क्योंकि न नौकरी है, न व्यापार है। तो इन चीजों को छोड़ दो, जनता के लिए थोड़ा ध्यान दें, डेमोक्रेसी को बनाएँ, बहुत–बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री महेन्द्र गोयल जी।

श्री महेन्द्र गोयलः धन्यवाद, अध्यक्ष जी। विजेन्द्र गुप्ता जी बड़े मुस्करा रहे हैं और तर्क दे रहे थे।

माननीय अध्यक्षः पड़ोसी हैं आपके भाई।

श्री महेन्द्र गोयलः लेकिन पड़ोसी जरूर हैं, दुःख भी होता है कि पैरवी किस चीज की कर रहे हैं ये। अरे! लोगों के हक को मारकर उनकी पैरवी कर रहे हैं, जगह नहीं मिलेगी कहीं पे भी। वोटें आप कितनी भी कटवा लो लेकिन जीत नहीं पाओगे, ये मैं आपको यकीन से कहता हूँ। क्योंकि कहता हूँ मैं, 'हुकुमतें वो करते हैं, जो दिलों पर राज करते हैं। अरे यूँ कहने को तो मुर्गे के सिर पर भी ताज होता है। वोटें कितनी कटवा लो कोई बात नहीं है। मेरे यहाँ से... एक बात कह रहा हूँ जैसे राजेष भाई ने कहा, गोयल, गर्ग, जिंदल, तिंगल, मिंदल, मित्तल सब आपसे छिटक गए हैं। अरे! किस–किस की कटवाओगे? सारी दुनिया आपके खिलाफ है इस बात में कोई दो राय नहीं है। और कहता हूँ मैं – 'काम करो कुछ ऐसा, दिन के उजाले में कि चैन से सो सको, रात के अंधेरे में' और न काम करो कुछ ऐसा दिन के उजाले में, कि न चैन से सो सको, रात के अंधेरे में।' और ना काम करो कुछ ऐसा रात के अंधेरे में कि मुँह छुपाते फिरो, दिन के उजाले में।'

गगग[1] पहले खिलाफ है, अरे! सारी दुनिया खिलाफ है। एक बात कहता हूँ, इनके अंदर हिम्मत नहीं थी कि देश को काँग्रेस मुक्त करते। ये आम आदमी पार्टी थी जिसने भारत को कांग्रेस मुक्त किया और आज ये बीजेपी से मुक्त करने जा रही है। ये आम आदमी पार्टी का ही जलवा है।

मेरे एरिया के अंदर अध्यक्ष जी, 19 हजार वोट कटे हैं, बहुत दुखदायी है और इनके एरिया के अंदर कुछ न कुछ जोड़े ही होंगे। फर्जी वोटों को ये जुड़वाते फिरते हैं हमेशा। मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि आपने सदन पटल के ऊपर तो पूरी की पूरी सभी 70 की 70 विधान सभाओं की लिस्ट को सदन पटल पर रख दिया होगा, इसकी जाँच करवाई जाए गहराई से और जो वोट कटे हैं, जिन लोगों की सही वोट हैं, उनको जुड़वाने का काम किया जाए। मेरा यही आपसे आग्रह है, धन्यवाद अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्षः अजय दत्त जी।

श्री अजय दत्तः धन्यवाद, अध्यक्ष जी। ये बड़ा ही गंभीर मुद्दा है अध्यक्ष जी। सबसे पहले तो इसमें लोकतंत्र की हत्या करने की एक बहुत बड़ी साजिश है। बीजेपी ने जब भी शासन किया है.... अध्यक्ष जी, कल भी मैं इसी सदन में एक बात कह रहा था कि 2004 में जब बीजेपी आयी, उस समय भी इन्होंने देश के ऊपर एक बहुत बड़ा आर्थिक संकट खड़ा कर दिया और 66 लाख लोगों की पेन्शन इन्होंने काट दी और वो इस देश के नागरिक हैं और आज दिल्ली में हम देख रहे हैं, करीबन 10 लाख से ज्यादा लोगों के वोट काट दिये। तो बीजेपी दो बार शासन में आयी है। कांग्रेस से तो इस देश को कभी उम्मीद रहीं नहीं, लेकिन आम आदमी पार्टी आने से पहले भी बीजेपी एक लोगों को विकल्प दिखती थी।

लेकिन दोनों बार बीजेपी ने इस देश के लोगों के साथ गद्दारी की और आज दिल्ली के लोगों के साथ ये भेद–भाव की राजनीति कर कर रहे हैं और भेद–भाव के अलावा ये जो भी गरीब तबके के लोग हैं, जिनकी आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं है, जिनकी राजनीति स्थिति मजबूत नहीं है, उन लोगों को ये लोकतंत्र के एक अधिकार जिनसे उनको लगता है कि मैं इस भारत का नागरिक हूँ, इस देश का नागरिक हूँ, उससे भी वंचित रखने जा रहे हैं। और ये वोट काटने की साजिश सिर्फ किसी का वोट काटना नहीं है, ये उसके मौलिक अधिकार का हनन भी है। बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर ने जब ये कांस्टिट्यूशन बनाया तो उसमें सबको एक अधिकार दिया और उसमें प्रिएम्बल में प्रस्तावना में लिखा, 'हम भारत के लोग।' उन्होंने ये कभी नहीं कहा कि एक जाति के लोग। उन्होंने कभी ये नहीं कहा कि एक धर्म के लोग और उसमें मौलिक अधिकार दिया कि सबको अपना वोट देने का अधिकार है और ये एक सोची–समझी साजिश के तहत हो रहा है। जिसमें जब ये वोट काटते हैं तो बहुत सारे लोगों को इन्होंने मृत घोषित कर दिया है। अगर आज कोई व्यक्ति अपने एड्रेस प्रूफ के लिए या उसके पास अगर सिर्फ एड्रेस प्रूफ एक ही हो; वोटिंग कार्ड, उसको लेकर जाए और वोटिंग कार्ड की जाँच हो जाए तो उस व्यक्ति पर एक बहुत बड़ा प्रश्नचिन्ह खड़ा हो जाएगा कि तुम्हारा तो वोट ही नहीं है और तुम्हारे वोट में तो ये दिखा रहा है कि तुम्हारी मृत्यु हो चुकी है। तो ये एक बहुत बड़ा उसके ऊपर कलंक लग जाएगा कि मैं एक्जिस्टेंस में रहते हुए भी संसार में मुझे मृत घोषित कर दिया गया है। तो ये एक बहुत बड़ा मुझे लगता है, क्राइम भी है और गरीबों के साथ... देखिए, इन्होंने वो जो वोट काटे हैं, अध्यक्ष जी, वो ज्यादातर उन बस्तियों के हैं, जहाँ पर दलित रहते हैं, जहाँ पर अल्पसंख्यक के लोग रहते हैं, जहाँ पे पूर्वांचली जो छोटे–छोटे घर

अल्पसंख्यक के लोग रहते हैं, जहाँ पे पूर्वांचली जो छोटे–छोटे घर बना के रहते हैं, उनके साथ ये भेदभाव भी इन्होंने दिखाया। क्योंकि अगर आप बीजेपी को देखें तो वो कभी मंदिर की राजनीति करती है, कभी मस्जिद की राजनीति करती है, गाय पे राजनीति कर लेती है, कभी कुछ खाने पे राजनीति कर लेती है और अब वोट काटने की राजनीति करती है। देखिए, बड़ा इंटरेस्टिंग एक चीज मेरे को अभी इस पूरे वाकये में समझ में आयी कि कांग्रेस के लोग तो वोट काटने, बनाने के लिए मैंने सुना था, पैसे देते हैं और ये लोग अब पैसे दे रहे हैं वोट काटने के लिए। तो एक नई चीज समझ में आई इन्होंने 2016 में लोगों का नोट काटा और अब ये लोगों का वोट काट रहे हैं। तो कितनी तुच्छ राजनीति पे उतर आये क्योंकि इन्हें पता है कि दिल्ली के अन्दर अरविंद केजरीवाल जी की सरकार है और दोबारा आ रही है और इनको डर है कि ये सारी सातों की सातों सीटें अरविंद केजरीवाल जी दिल्ली में जीत जाएँगे तो उन्होंने कहा कि उनको रोकने का और कोई तरीका नहीं है, गरीबों के वोट काट दो, उनका एक्जिस्टेंस खत्म कर दो जिससे कि वो वोट ही न डालने जाएँ और कहीं न कहीं ये जीत जाएँ। तो बीजेपी के तानाशाह शासकों से मैं ये कहना चाहता हूँ, आपके माध्यम से अध्यक्ष जी, कि ये इस गलतफहमी में न रहें। आप दो वोट काटोगे और लोग दो हजार हमें और ज्यादा वोट देंगे। आपके इन कामों से क्योंकि दिल्ली के लोग आपको पहचान चुके हैं और वैसे तो दो देश के पूरे लोग आपको पहचान चुके हैं। लेकिन ये वोट काटने की राजनीति कभी आप ईवीएम में टेम्परिंग कर देते हो, कभी आप हमारे मुख्य मंत्री पे हमला करवाते हो। तो ये बहुत ओछी चीजें हैं, थोड़ा आगे बढ़ो। ये देश अब सिर्फ अनपढ़ लोगों का नहीं रह गया है।

माननीय अध्यक्षः अजय दत्त जी।

श्री अजय दत्तः इस देश के लोग विकास चाहते हैं। अध्यक्ष जी, एक मिनट और।

माननीय अध्यक्षः कन्क्लूड करिए अब, अजय जी।

श्री अजय दत्तः विकास चाहते हैं और ये चाहते हैं कि जो भी सरकार आए, वो पढ़ाई के लिए काम करे, वो शिक्षा के लिए काम करे, वो व्यापारों को बढ़ाए, वो रोजगारों को बढ़ाए, इस देश में नई तकनीकी आये। वो कोई अभी गाय की, हिन्दू, मुस्लिम और मन्दिर, मस्जिद की बात करने में इंटरेस्टेड नहीं है।

माननीय अध्यक्षः अजय दत्त जी, अब कन्क्लूड करिए, प्लीज।

श्री अजय दत्तः अध्यक्ष जी, मैं आपको, बस मैं इतना कहना चाहता हूँ कि इसकी जाँच हो और कड़ी जाँच हो और जिन लोगों ने वोट काटे हैं, जिन लोगों ने बीजेपी से पैसे खाए हैं, उनके ऊपर सख्त से सख्त कार्रवाई हो, धन्यवाद, जयहिन्द, जय भीम।

माननीय अध्यक्षः अलका लाम्बा जी।

सुश्री अलका लाम्बाः धन्यवाद, अध्यक्ष जी। आज ये बहुत ही गंभीर मामला है और मैं नेता विपक्ष विजेन्द्र गुप्ता जी को भी सुन रही थी और वो वहाँ बैठे–बैठे आरोप लगा रहे थे। अगर ये आरोप सच्चा है तो मैं गुप्ता जी को कहूँगी, ये बहुत ही गंभीर जो है, आप आरोप लगा रहे हैं और हमारी तरफ से भी जो आरोप लग रहे हैं, वो भी गंभीर हैं।

अध्यक्ष जी, इसके दो पहलू हैं– सही वोटों का कटना और फर्जी वोटों का बनना। हमारा आरोप ये है कि सही वोट जो है, वो काटे जा रहे हैं। सही, मतलब

जो जिन्दा लोग हैं। मैं अपनी विधान सभा मोरी गेट के दो नाम आपको बता रही हूँ। वोटर लिस्ट के साथ हर एक के पास अपने अपने 10 लाख जब पता लगा वोट पिछले चार साल में 10 लाख वोट कटे हैं तो बहुत बड़ा नम्बर था, चिंता था हम सबका। मेरी अपनी चाँदनी चौक विधान सभा; 70 विधान सभाओं में सबसे छोटी विधान सभा है। उसमें भी छः हजार वोट कटे और वोट उन इलाकों में कटे जहाँ पर भाजपा को वोट नहीं पड़े हैं, चिंता हुई मोरी गेट कूचा मोतर खान एक तरफा वोट जाता है और अभी अभी हमारा लास्ट चुनाव नगर निगम का हुआ है। कन्हैया लाल और रोहतास दोनों जीवित हैं, वोटर लिस्ट में जीवित हैं, जिन्हें मृत घोषित करके चुनाव आयोग ने उनका वोट काट दिया। इलाके में जब हमारे वॉलेंटियर उन लिस्टों को लेकर.... क्योंकि पार्टी से आदेश हुआ; ये बहुत बड़ा लोकतंत्र पे हमला हो रहा है, चुनाव आयोग ने हथियार भाजपा की सरकार के सामने पूरी तरह से डाल दिए हैं और हम इस लड़ाई को आगे तक लड़ेंगे। हम अपनी–अपनी विधान सभाओं की वोटर लिस्ट लेकर इलाके में पहुँचे और मेरी भी विधान सभा में कन्हैया लाल और रोहतास ऊँचा मोतर खान, मोरी गेट के ऐसे दो लोग हैं, जिनका वोट है, लेकिन काट दिया गया है। गुप्ता जी ने कहा, ''आपकी भी... आई थिंक हमारे, आपकी तरफ इशारा करके कहा, ''आपके यहाँ पर कितने फर्जी बने हैं?'' हमें सब मालूम है, बहुत गंभीर आरोप है। अगर इन्हें जानकारी है फर्जी वोट बन रहे हैं, चाहे आप वो इनकी तरफ इशारा करके बन रहे हैं। आपके पास लिस्ट है, कहाँ से लिस्ट लेकर आए गुप्ता जी, हमें नहीं मालूम है। आप पढ़ रहे हैं, रिकॉर्ड में दर्ज हुआ है। अध्यक्ष जी, इसकी जाँच होनी चाहिए। क्या इन्होंने ऐसे ही फर्जी कोई लिस्ट पढ़ दी गुमराह करने के लिए सदन को या इस सदन के माध्यम से दिल्ली के लोग जो सुन रहे हैं या इनकी बातों में तथ्य है? तथ्य

हैं तो बिल्कुल इन्हीं की विधान सभा नहीं, हम सबकी विधान सभा में अगर पुख्ता सबूत हैं, फर्जी वोट बन रहे हैं, इनका आरोप है, उसे साबित किया जाए और हम अगर कह रहे हैं, वोट असली कट रहे हैं तो हम आपको सबूत दे रहे हैं, अध्यक्ष जी, उसकी जाँच होनी चाहिए। हम आपको अपनी विधान सभाओं के एक–एक नाम दे रहे हैं। अध्यक्ष जी, भाजपा कभी भी खड़ी होती है, कुछ भी बोल देती है और अभी उदाहरण देकर बता रही हूँ कितना बड़ा गुमराह ये लोग करते हैं! अभी जब पाकिस्तान के दरवाजे पाकिस्तान में गुरु नानक देव के घर के खोले हैं तो डॉ. सुब्रहमण्यम स्वामी, भाजपा के बहुत बड़े नेता हैं, राज्यसभा सांसद हैं। उनका कहना है, ''ये दरवाजा खोल के आपने देश को खतरे में डाल दिया।'' पूछा कि देश खतरे में कैसे डाला? उन्होंने कहा, ''चाँदनी चौक में 250 रुपये में पासपोर्ट बन जाता है। मैंने सुषमा स्वराज जी को तुरंत ट्वीट किया कि ये कोई आम शख्स नहीं है ये राज्यसभा सांसद डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी भाजपा के नेता का आरोप है कि चाँदनी चौक में कहीं पर 250 रुपये में पासपोर्ट बन रहे हैं और ये देश की सुरक्षा के साथ बहुत बड़ा खिलवाड़ है, आप इसे हल्के में मत लीजिएगा। लेकिन उन्होंने उसके ऊपर कोई उसको, संज्ञान में नहीं लिया, कोई इस पर बयान नहीं दिया। ये इतनी बड़ी बातें लोकतंत्र में कह के कैसे पीछे हट जाते हैं? मुझे लगता है, सिर्फ इनका मकसद है, असली मुद्दों से कैसे भटकाया जाए। जो हमारे नेता राष्ट्रीय चुनाव आयोग से भी अध्यक्ष जी, मिलने गए, उन्होंने खुद कहा... उन्होंने कहा, ''2015 से 2018 तक हर साल उन्होंने लगभग–लगभग जो है, ढ़ाई लाख वोट काटे यानी कि आज एमसीडी से चुनाव से पहले पाँच लाख वोट वो काट चुके थे। किसी ने तब क्यों नहीं बोला? अध्यक्ष जी, इसका ये मतलब तो नहीं हुआ कि आज तक हमारा ध्यान अगर नहीं गया था और अब ध्यान गया है तो हम

खामोश कर जाएँ, हम अब भी न बोलें? क्योंकि शायद उस समय हमें हल्के में ले लिया है और उसका खामियाजा भुगतना पड़ा। 10 साल का जो एमसीडी में भाजपा का एन्टी इनकेंबेंसी था, इनके खिलाफ जो हवा थी, वो कैसे बदल गईं ये खुद दिल्ली के चुनाव आयोग ने अपने आँकड़ों में कहा है कि 2015 और नगर निगम से पहले पाँच लाख वोट कटे थे जिसका लाभ भाजपा को तीसरी बार चुनाव में जब जीते, एमसीडी में, खुद खुलासा हो गया कि कैसे जीत गए। वो पाँच लाख वोट किसके थे? और अब ये कहते हैं, ''10 लाख वोट कटे हैं।'' तो कितने बने? 13 लाख बने भी हैं। अध्यक्ष जी, दोनों बातों में अन्तर है। मुझे नहीं मालूम, ये चुनाव आयोग के प्रवक्ता बनकर यहाँ पर क्यों बोल रहे हैं? या तो ये कहें कि ये जो लिस्ट है, वो ऑथेंटिक लिस्ट है, चुनाव आयोग राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने आपको नेता विपक्ष होने के नाते यहाँ पे सदन में रखने के लिए वो लिस्ट दी है। इस बात का खुलासा हो जाए और अगर आप घर में बैठे–बैठे कॉपी पेन लेकर ये लिस्ट लेकर आए हैं तो आप इस सदन को और दिल्ली को गुमराह कर रहे हैं और बिल्कुल आप चुनाव आयोग के प्रवक्ता बनके बोल रहे हैं। ये बहुत गंभीर आरोप है। मैं अध्यक्ष जी, कहूँगी बहुत गंभीर आरोप है और ये कहना कि 10 लाख कटे हैं। अध्यक्ष जी, तो 13 लाख बने हैं। मैं पूछना चाहती हूँ ये 10 लाख जिनके काट गए, वो तो सही मायने में हैं, जिंदा लोग हैं। हम पूरी लिस्ट अगर आप समय देंगे हर कोई अपनी विधान सभा की लिस्टों की हम जाँच करवा रहे हैं, कितने मृत जिनको बताया जा रहा है, वो जीवित हैं। कितनों के वोट... जैसे अभी एक सदस्य ने कहा, ''हो सकता है, कुछ प्रतिशत सही हों।'' लेकिन सभी सही हैं, हमें ये नहीं लग रहा। हमें अभी भी लग रहा है 50 प्रतिशत से अधिक सही वोटर्स को मृत घोषित करके... उनको, चले गए वहाँ से, नहीं हैं, कह कर काटा गया और ये वो

ही हैं जहाँ पर भाजपा को लगातार हार का सामना करना पड़ा है। ये वही इलाके हैं और मुझे लगता है अध्यक्ष जी, इसे गंभीरता से लेते हुए चुनाव आयोग से कहना चाहिए कि जो लिस्ट आप लोगों ने क्योंकि अब ऑन लाइन हो रहा है। अभी कहीं पर भी चुनाव आयोग कैम्प लगा के वोट नहीं बना रहा है। जिनके कट गए हैं, वो कहते हैं, जिनके पास स्मार्ट मोबाइल फोन है, इन्टरनेट की फैसलिटी है, वो खुद जाकर कर लें। ये संभव नहीं है अध्यक्ष जी, हर किसी के पास स्मार्ट मोबाइल फोन नहीं है। हर एक के पास इन्टरनेट की फैसिलिटी नहीं है और आप ये कह के पल्ला झाड़ दें कि अच्छा अगर आपको लगता है कि आपका वोट गलत कटा है, आप मृत नहीं, जीवित हैं तो स्मार्ट मोबाइल फोन पे कर लीजिए। मुझे लगता है देश के 2019 के चुनाव में मात्र पाँच महीने बाकी बचे हैं और ये जो इनका खिलवाड़ शुरू हो चुका है, समय कम रह गया है। मुझे लगता है, चुनाव आयोग अगर इसी तरह लीपा–पोती करेगा तो ये संविधान के साथ, लोकतंत्र के साथ हमारा बहुत बड़ा खिलवाड़ होगा। इसे बहुत गंभीरता से लिया जाना चाहिए अध्यक्ष जी, क्योंकि मुझे ये लगता है कि लोकतंत्र में पहले ईवीएम पर लोगों को शक आया। कोई भी लोकतंत्र ताकतवर नहीं हो सकता जब उस लोकतंत्र पे लोगों का विश्वास कमजोर हो रहा हो। हर एक को ये लग रहा है कि मैं वोट जिसको दे रहा हूँ, क्या ईवीएम से वोट उसी को जाएगा? उसको ये है कि मेरे पास वोटर आईडी कार्ड तो है लेकिन उसको नहीं पता, वोटर लिस्ट में उसका नाम कट चुका है। ये तमाशे हर चुनाव में होते हैं। लोग अपनी लंबी लाइनों में लगकर लोकतंत्र में अपना वोट करने आते हैं अध्यक्ष जी, वोटर आईडी कार्ड हाथ में होता है लेकिन जब अन्दर पहुँचते हैं तो पता लगता है, उनका वोटर लिस्ट में नाम नहीं है, जो चुनाव आयोग की लिस्ट है। क्यों चुनाव आयोग वो लिस्ट जारी नहीं

कर रहा है हमारे बार–बार माँगने के बाद भी कि आप ऑथेंटिक लिस्ट हमें दीजिए। हम जो लिस्ट पे बात करते हैं, वो कहते हैं, ये तो हमारी नहीं है। अब गुप्ता जी के पास लिस्ट है या तो ये साबित करते कि वो असली लिस्ट है। अगर वो भी फर्जी लिस्ट है तो ये बहुत बड़ा घातक है और मैं लास्ट में यही कहूँगी, वोट बने या वोट कटे, सही वोटों का कटना, फर्जी वोटों का बनना, जो आरोप लगाया गया है, इसकी जाँच होनी चाहिए और जो भी रिपोर्ट इसके ऊपर हो, वो सदन के पटल पर आनी चाहिए। बहुत बहुत धन्यवाद, अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्षः श्री सोमनाथ भारती जी... चर्चा का उत्तर, माननीय मंत्री जी। सौरभ भारद्वाज जी हैं क्या? सौरभ भारद्वाज जी।

माननीय मंत्री(श्री इमरान हुसैन): अध्यक्ष महोदय, ये बड़ा गम्भीर विषय है। अभी जब ये पता लगा कि सही राम जी की फेमिली से कुछ लोगों के नाम काट दिए गए अचानक और ये सही राम जी के फेमिली से जब नाम काट दिये गये, उसके बाद ही हम सब लोग ऐक्टिव हुए, हरकत में आये सारे लोग। उसके बाद पता करा कि दिल्ली के अन्दर कितने वोट काटे गये हैं। तो पता लगा, लगभग दस लाख से भी ऊपर वोट काटे गये और किसी विधान सभा में पैंतालीस हजार, किसी में तीस हजार, किसी में बीस हजार.... तो उसके बाद में जब इस पर संज्ञान लिया गया तो इलेक्शन कमीशन को हमने अपने जितने भी डीएम हैं दिल्ली के अन्दर, वो ही सारे डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन ऑफिसर्स हैं। उनको लिखा हमने और इलेक्शन कमीशन को हमने लिखा तो उसमें ये पाया गया, जो ये बीएलओज इन्होंने लगाये हुए हैं, एप्वाएंट किए गये हैं, जिनका काम है कि घर–घर जाके चेक करना कि कौन व्यक्ति है जो कि अब शिफ्ट हो गया है, कौन आदमी है, जिसकी मृत्यु हो गयी है तो इन्होंने ये बिल्कुल लॉ फुल मैनर में बिल्कुल नहीं किया और

घर के अन्दर बैठकर या ऑफिस में बैठकर या भाजपा के इशारे पर या किसी भाजपा के इशारे पर इन लोगों ने ऐसे लोगों के नाम काट दिये जो इनको वोट नहीं करते। तो इसके लिए हमने इलेक्शन कमीशन को लिखा भी हुआ है, इसकी जाँच करायी जाएगी और इसमें जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

माननीय अध्यक्षः मैं माननीय मंत्री जी से दो मिनट रुकने के लिए कह रहा हूँ। सौरभ जी आ गये हैं सदन में। उनका एक रेजल्यूशन है और आपके बोलने के बाद उचित नहीं रहेगा फिर उसके बाद आप कम्प्लीट कर लीजिएगा। श्री सौरभ भारद्वाज जी।

श्री सौरभ भारद्वाजः सर, मैं हाउस से इस चीज की इजाजत चाहूँगा कि मैं ये रेजल्यूशन आपके सामने रखूँ और मैं क्षमा चाहता हूँ, हमारे एरिया में किसी को हार्ट अटैक हुआ और पैसे की कमी के कारण कुछ दिक्कत आ रही थी तो मुझे बाहर जाना पड़ा, फोन अटेन्ड करने के लिए। मैं हाउस से क्षमा माँगते हुए इजाजत चाहूँगा कि मैं एक रेजल्यूशन इसी विषय में जो विषय हाउस के सामने है, उस पर हाउस के सामने ये रेजल्यूशन रखना चाहूँगा।

माननीय अध्यक्षः अब जो सदस्य सौरभ भारद्वाज जी के इस संकल्प से सहमत हैं।

जो इसके पक्ष में हैं, वो हाँ कहें;

(सामूहिक स्वर हाँ)

हाँ?, संकल्प पढ़िए पहले। संकल्प पढ़ लीजिए, संकल्प रखने की अनुमति है। पढ़िए।

श्री सौरभ भारद्वाजः अध्यक्ष जी, ये जो रेजल्यूशन हैं, ये इसी मामले के बारे में है जिसकी चर्चा चल रही थी और इसके अन्दर दो–तीन डिमान्डस जो है, वो हम कर रहे हैं कि इस हाउस के मार्फत ये डॉयरेक्शन सीईओ, चीफ इलेक्ट्रोल ऑफिसर जो है, उनको जाये कि जो त्रुटियाँ हुई हैं इसके अन्दर, इसको हटाया जा सके। ये रेजल्यूशन जो है अंग्रेजी में है, मैं इसको पढ़ देता हूँः

"The LegislativeAssembly of NCT of Delhi having its sitting in Delhi on 27 November 2018:

Taking into consideration the fact that lakhs of names have been deleted from the voter list in Delhi. There have been instances where person staying at the same address or in the same locality has been deleted from the voter list without any due procedure.

The officers of Chief Electoral Office (CEO), GNCT of Delhi have suo-moto deleted thousands of voters in each Assembly Constituency of Delhi without following the prescribed procedure or due process of law.

The names have been deleted to favour a Political Party which has Government at the Center. Severa attempts have been made by Elected Members of the Legislative Assembly, NCT of Delhi to approach CEO, Delhi but however, no prompt corrective action has been taken to add the voters who have been illegally deleted from the voters list.

This House resolves that this is a serious matter and directs the CEO, Delhi to put the complete list of voters that have been deleted after February, 2015 Delhi Assembly Election on its website.

कहने का मतलब ये है कि जितने भी लोगों के नाम हटाये गये हैं, उनके नाम वेब–साइट पर डाले जाएँ और 2017 के नाम नहीं चाहिए। जो 2015 में इलेक्शन हुआ था, उसके बाद जो भी नाम हटाये गये हैं, उनको वेब–साइट पर डाला जाये।

Phycical copy and a digital copy of list of all such deleted voters should be provided to all recognized political parties of Delhi.

ये लिस्ट फिजिकल कागज में और सीडी की शेप में सभी राजनीतिक दलों को भी दी जाए।

The house further resolves that the CEO should also immediately conduct a door to door survey along with the representatives from all recognized political parties, in order to ascertain veracity of all such deleted voters.

यानी कि इलेक्शन कमीशन रिकॉगनाईज्ड पॉलिटिकल पार्टी के रिप्रजेन्टेटिव के साथ एक डोर टू डोर सर्वे करे। जितने लोगों के नाम काटे गये हैं ताकि ये देखा जाए कि ये गलत हुआ है या सही हुआ है। इस पूरे प्रोसेस की...

This process should be videographed by the office of CEO, Delhi. Those voteres who were found genuine and have been wrongfully deleted should be immediately restored without the need of filing any fresh forms or any further verifications and without the need of issuance of fresh voter cards.

अध्यक्ष जी, एक गरीब आदमी जिसका वोटर लिस्ट से नाम कट गया, उसके लिए बहुत मुश्किल है दुबारा से फार्म्स वगैरह जमा कराके, सारे दस्तावेज जमा कराके फ्रैश वेरीफिकेशन कराके वोट बनवायें और चुन–चुन के...

श्री विजेन्द्र गुप्ताः रेजल्यूशन की कापी तो दो।

श्री सौरभ भारद्वाजः और चुन–चुन के। तो चुन–चुन के जो गरीब लोगों के वोट काटे गये हैं।

श्री विजेन्द्र गुप्ताः कापी तो दीजिए रेजल्यूशन का। कापी तो मिलनी चाहिए न।

श्री सौरभ भारद्वाजः ये ले लीजिए। अरे! आप को न ही करनी है। लो भाई एक कापी इनको दो। उनको जरूरत नहीं है, उनको हाँ ही करनी है। तुम्हें न करनी है तुम ले लो। मगर अंग्रेजी में है, क्या करोगे?

श्री विजेन्द्र गुप्ताः कापी तो दो। आप कैसे रेजल्यूशन कर रहे हो ये?

श्री सौरभ भारद्वाजः ये अंग्रेजी में है। करोगे क्या? क्या करोगे बताओ?

माननीय अध्यक्षः सौरभ जी, सौरभ जी, प्लीज।

श्री सौरभ भारद्वाजः चलो देखो। ढूँढ़ो, डिग्री भी ढूँढ़ो।

श्री विजेन्द्र गुप्ताः कापी दो मेरे को आप।

श्री सौरभ भारद्वाजः ढूढ़ो, डिग्री ढूँढ़ो।

माननीय अध्यक्षः सोमदत्त जी, प्लीज।

श्री विजेन्द्र गुप्ताः ये मेरा प्वाइन्ट ऑफ ऑर्डर है।

माननीय अध्यक्षः मुरूगन जी, कापी बंटवाइए।

श्री सौरभ भारद्वाजः अच्छा, मैं एक बात आपको बताऊँ?

माननीय अध्यक्षः सौरभ जी, आप पढ़िए, कॉपी बंट रही है।

श्री सौरभ भारद्वाजः सर, रेजल्यूशन पढ़ देता हूँ।

श्री विजेन्द्र गुप्ताः पहले कापी बंटवाइए।

माननीय अध्यक्षः मैं पास करने से पहले कापी बंटवा रहा हूँ। हाँ, बंटवा रहा हूँ।

श्री सौरभ भारद्वाजः अच्छा देखो, तो ये इसके अन्दर हम ये कह रहे हैं कि जिन गरीब लोगों के वोट काटे, उनके लिए बड़ा मुश्किल है... किसी गरीब आदमी के लिए कि एक दर्जन फार्म भरे। दस तरीके के डाक्यूमेण्ट लाए और उसके बाद अपनी वोट बनवाए और चुन–चुन के गरीबों के ही काटे गये हैं। क्योंकि गरीब इनको वोट नहीं देता। ठीक है। तो ये पूरी की पूरी एक्सरसाइज जो है, ये इलेक्शन कमीशन कराके इनके वोट दुबारा जुड़वाये। इन गरीबों के ऊपर न डाला जाये कि ये करें। मैं आगे पढ़ देता हूँ।

This exercise should be completed in such a time that genuine voters are restored in the concerned voters list before Lok Sabha Elections 2019.

अगर ये सारी की सारी एक्सरसाइज है, ये मोदी जी का, जो चुनाव है, उससे पहले ही कराये जायें। The Delhi govt… अब देखो, मैं क्या बताऊँ उनके बारे में।

The House also resolves that the Delhi govt should conduct inquiries into all deleted voters who are subsequently found genuine and fix the responsibility of the erring officials and submit a report before this House within a period of three months.”

कहने का मतलब है अध्यक्ष जी, कि तीन महीने के अन्दर– अन्दर, तीन महीने के अन्दर–अन्दर... अच्छा वो खास बात ये है। एक चीज मैंने रेजल्यूशन में अध्यक्ष जी, नहीं लिखी है।

......(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः ठीक है चलिए, चलिए।

श्री सौरभ भारद्वाजः कई चीजों की जाँच के लिए हमने लिखा है। एक चीज रेजल्यूशन में नहीं लिखी है। मुझे लगता है, उसकी भी जाँच होनी चाहिए। अगर सारे मेम्बर मानें। जो ट्वीट विजेन्द्र गुप्ता जी द्वारा अंग्रेजी में किए जाते हैं, इसकी जाँच होनी चाहिए कि वो कौन करता है। ये तो नहीं करते वो।

......(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः नहीं–नहीं, अब नहीं, प्लीज। विषय भटक जाएगा सारा। नहीं, अब नहीं। सोमनाथ जी, मैंने नाम लिया था। आप कहाँ थे? भई ऐसे नहीं। मैंने नाम लिया था। अब नहीं, प्लीज। अब तो कुछ नहीं हो पाएगा। आपको नाम भेजना था ना, बोलने के लिए। नहीं, सोमनाथ जी, नहीं, प्लीज। प्लीज मैं रिक्वेस्ट कर रहा हूँ। सदन की कुछ गरिमा को बनाके रखिए, प्लीज।

......(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः नाम बोला, आप उस वक्त थे नहीं। माननीय मंत्री जी, इमरान जी।

श्री इमरान हुसैनः अध्यक्ष महोदय...

माननीय अध्यक्षः मंत्री जी, दो मिनट रुकिये अभी। आपके पास रेजल्यूशन आ गया पढ़ लिया न।

श्री विजेन्द्र गुप्ताः जी, मैंने पढ़ लिया।

माननीय अध्यक्षः चलिए, बोलिए, क्या कहना है?

श्री विजेन्द्र गुप्ताः अध्यक्ष जी, ये रेजल्यूशन पॉलिटिकल मोटिवेटेड है इसमे एक सेन्टेंस लिखा है, "The name have been deleted to favour a political party which has govt. at the centre."

ये रेजल्यूशन पॉलिटिकल मोटिवेटेड है। इसमे जान–बूझकर के इस तरह की भाषा का प्रयोग किया गया है, पहला एक। दूसरा, हमारा ये कहना है कि इस रेजल्यूशन की जो भाषा है, उसमें एक मेन्टेलिटी है और वो है क्योंकि इलेक्ट्रोल ऑफिसर अब चीफ सेक्रेटरी बन गए हैं तो उनके ऊपर दबाव बनाने के लिए इस तरह की भाषा का प्रयोग किया गया है जिसको इसमे से डिलीट किया जाए। ये दो इसमे से चीज डिलीट की जाए। पहला, तो इस भाषा को इलेक्ट्रोल ऑफिसर को जिस तरह से, जैसे पहले ही एक प्रेशर या ब्लैक मेलिंग के लिए लाने के लिए इनडॉयरेक्ट अटैक कर रहे हो, करो और दूसरा, जो बीजेपी के बारे मे जो लिखा है, वो इसमे से दोनों चीजें हटाई जाएँ, ये हमारी माँग है।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः सोमनाथ जी, सारा विषय गड़बड़ हो जाएगा। चलिए, श्री सोमनाथ भारती जी।

श्री सोमनाथ भारतीः अध्यक्ष महोदय।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः सोमनाथ जी, ये बहुत जल्दी समाप्त करिए, प्लीज।

श्री सोमनाथ भारतीः आपका बहुत बहुत धन्यवाद कि आपने इतने महत्वपूर्ण मुद्दे पर अपने विचार रखने का मौका दिया। आज जिस तरह से विजेन्द्र गुप्ता जी ने इस पूरे मुद्दे को डिफेंड करने का प्रयत्न किया है, इससे इनका दोष सिद्ध होता है जो हम लोग कह रहे थे कि भई, किस पार्टी ने ये नाम डिलीट करवाये हैं और किन कारणों से करवाये हैं। जिस तरह से इन्होंने डिफेंड किया है, वो फीगर्स लेकर आए हैं कि भई, इतना डिलीट हुआ, इतना ऐड हुआ, ये नहीं बताया है। ये नहीं बताया, एक सेकंड मैं अपनी बात रख लूँ। आप चेयर को एड्रेस करिए, आप मुझे एड्रेस मत करिए।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः अब विजेन्द्र जी, आप बोल रहे थे, किसी ने रोका नहीं। अब वो बोल रहे हैं, उनको बोलने दो। अब ओमप्रकाश जी, क्या हो रहा है? देखिए, आप फिर आप कहते हैं, किसको रोकूँ, बताइये। उनको पूरा समय दिया है बोलने का। अब उनको जवाब तो देने दो। सोमनाथ जी, बोलिए।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः विजेन्द्र जी, आप डिस्टर्ब मत कीजिए बीच मे। उनको पूरा समय दिया गया है।

श्री सोमनाथ भारतीः नहीं–नहीं, आज ये नहीं बताया। जिन साथियों ने आज बाकायदा अपने वोटर लिस्ट से उन लोगों के नाम लेकर आए हैं जिनका

नाम काट दिया गया, जब कि वो मौजूदा स्थिति मे उस एड्रेस पर रह रहे हैं। एड्रेस पर रह रहा व्यक्ति... आपने भी कहा इस बात को आज।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः अलका जी, बैठिए।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः विजेन्द्र जी, आप बैठ जाइए। कहाँ 2017... बात 2018 की हो रही है। अब जो वोटर लिस्ट आई है, उसकी बात हो रही है। अलका जी, बैठिए, वो बहस में मत पड़िये। आप प्लीज आर्ग्युमैंट में मत पड़िये, बैठिए। आपने बड़ा अच्छा अपना रख दिया था। सोमनाथ जी, कन्क्लूड करिए, जल्दी से प्लीज।

श्री सोमनाथ भारतीः अध्यक्ष महोदय, विजेन्द्र गुप्ता जी, फीगर्स लेकर आए कि भई इतना ऐड हुआ इतना डिलीट हुआ लेकिन सब साथियों ने इस बात को रखने का प्रयास किया कि जिन लोगों के नाम डिलीट हुए हैं, वो डिलीट नहीं होने चाहिए थे। कई ऐसे लोगों का नाम इन्होंने डिलीट कर दिया जो अभी... और ये कहकर डिलीट किया कि उनकी मृत्यु हो चुकी है जब कि वो जिंदा हैं। तो जिंदा व्यक्तियों के नाम डिलीट करके और आज इस तरह जस्टिफाइ करने का प्रयत्न कर रहे हैं, उनका दोष और इनके जरिए भाजपा का दोष सिद्ध होता है, अध्यक्ष महोदय।

अध्यक्ष महोदय, जैसा मेरे साथी राजेश जी ने कहा, इनके लिए चुनाव जीतना एक मैनेजमैंट है। ये काम करके चुनाव नहीं जीतना चाहते। ये चुनाव येन–केन–प्राकरेण जीतना चाहते हैं। 2013 के चुनाव में मुझे याद है। हम लोग पहली बाद

चुनाव लड़ रहे थे तो हमारे सिंबल के साथ–साथ में एक सिंबल आ गया टॉर्च का। अब वो.... वाज अ स्ट्रेटेजी बाइ बीजेपी उस टार्च के चक्कर में हमारी पाँच सीटें चली गई थी तब तो ये काम नहीं करेंगे, इस तरह की हरकतें करेंगे, अध्यक्ष महोदय। 2015 के अंदर इन्होंने सूडो कैंडिडेट्स खड़े कर दिये। सोमनाथ भारती मेरा नाम है, चार सोमनाथ और ढूँढ़कर ले आए। तो ये काम करके चुनाव नहीं जीतेंगे। दे विल बि ट्राइंग टु विन इलैक्शन्स यूजिंग सच स्ट्रेटेजी।

अध्यक्ष महोदय, मुझे याद है कि मैंने अपने क्षेत्र से साढ़े सात सौ लोगों के फार्म सब्मिट करवाए और सभी जिंदा लोग हैं। आज तक ढ़ाई साल हो गये उनका वोटर कार्ड बनकर नहीं आए हैं। इलेक्शन कमीशन का किस तरह से इन्होंने मिसयूज किया है, सबों ने देखा, किस तरह से हमारे साथियों को इन्होंने डिस्क्वालिफाइ करने का प्रयत्न किया। ये मुँह के बल गिरे। किस तरह से ये फेक वोटर्स बनाकर के बस ले लेकर आते हैं, उनसे वोट डलवाने के लिए।

माननीय अध्यक्षः सोमनाथ जी, अब कन्क्लूड करिए।

श्री सोमनाथ भारतीः एक मिनट और लूँगा मैं। इसमें कि वोटिंग वाले दिन भी किस तरह के प्रयत्न करते हैं, ये सबको पता है। आधार कार्ड.... पूरे देश मे माँग हुईं आज माननीय प्रधान मंत्री फुल मिजोरिटी मे हैं। अगर ये वोटर कार्ड को आधार कार्ड से लिंक कर दें, सारी समस्या खत्म हो जाएगी, गलत तो नहीं कह रहा? लिंक कर दें, इनके पास ताकत है आज। और दूसरी बड़ी बात जो उभर के आती है। ईवीएम जब खराब होता है तो खराब ईवीएम सिर्फ भाजपा को वोट देता है। ये जिस तरह से बातें कर रहे हैं.... चूंकि आप लोगों ने, हम सब ने, हमारे विधायकों ने, साथियों ने माननीय मुख्यमंत्री ने इतनी मेहनत की, शिक्षा लेकर आए,

स्वास्थ्य लेकर आए, काम किया, दिन–रात काम किया, अपने अपने क्षेत्र मे काम किया। हम लोग काम के जरिए लोगों के दिल जीतना चाहते हैं और ये जो हैं स्ट्रेटजीज, स्ट्रेटजीज में... आज सबसे एक स्ट्रेटजी निकलकर आया है के जी, लोगों के... जिंदा लोगों के वोटों को काट दो, ये मैनेजमैंट है। उसके हैं, कर्ता–धर्ता, सीईओ, अमित शाह। इलेक्शन जीतने का तरीका अमित शाह, तो ये...

माननीय अध्यक्षः अब कन्क्लूड करिए, सोमनाथ जी। हो गया, प्लीज।

श्री सोमनाथ भारतीः और एक बड़ी बात बताऊँ, साथियो! ऐसा है कि इस देश के अंदर जो ये चल रहा है कि मोदी वर्सेज राहुल ये फ्रॉड है। ऐनी टॉक ऑफ इलैक्शन ऑफ प्राइम मिनिस्टर इज फ्रॉड ऑन द कंस्टीट्टयूशन। खासकर के दिल्ली के साथियों को कहना चाहता हूँ आपके माध्यम से कि पीएम का कोई वोटिंग नहीं होता है, अमेरिका की तरह। यहाँ एमपी को चुनते हैं और एमपी इन टर्न पीएम को चुनते हैं। अब पीएम के चक्कर मे ऐरा–गेरा नत्थू... सब बन गए एमपी और आज वो उपलब्ध नहीं हैं। कोई गायक बन गया एमपी। कोई निष्क्रिय आदमी बन गया एमपी। ऐसे ऐसे लोग एमपी बन गए जिसको न एम पता है न पी पता है।

माननीय अध्यक्षः सोमनाथ जी, अब कन्क्लूड करिए, प्लीज कन्क्लूड करिए।

श्री सोमनाथ भारतीः अब ये लास्ट मे चूँकि हमेशा ही अच्छे तरीके से लास्ट किया जाता है, अध्यक्ष महोदय। लास्ट मे मैं चार लाइनें पढ़ूँगा, उसके बाद अंत करूँगाः

''बांट दिया इस धरती को, चाँद सितारों का क्या होगा?

नदियों के कुछ नाम रखे, बहती धाराओं का क्या होगा?

शिव की गंगा भी पानी है, आबे जमजम भी पानी है।

मुल्ला भी पिये, पंडित भी पिये, पानी का मजहब क्या होगा?

और,

इन फिरका परस्तों से पूछो... इशारा समझ गये ना?

इन फिरका परस्तों से पूछो, क्या सूरज भी नया बनाओगे?

एक हवा में श्वास है सबकी, क्या हवा भी नयी चलाओगे?

और,

जो नस्लों का करे बंटवारा, रहबर वो कौम का ढ़ोंगी है।

और,

क्या खुदा ने मंदिर तोड़ा था या राम ने मस्जिद तोड़ा है?

वोट काटने से न जीत रहे हैं। दिल जीतो, दिल।

माननीय अध्यक्षः बैठिए–बैठिए। माननीय मंत्री इमरान जी।

माननीय चुनाव मंत्री महोदयः (श्री इमरान हुसैन): अध्यक्ष महोदय, ये बडा गम्भीर विषय है। ये जो दस लाख से ऊपर वोट कटे, अभी नेता विपक्ष विजेन्द्र जी ने आँकड़े रखे। मुझे ये समझ में नहीं आया, ये आँकड़े लाए कहाँ से! इन्हें आँकड़े दिये किसने? क्योंकि इलैक्शन जो है... मैं आपको ऑफिशियल बता रहा हूँ ये बात। अभी तक वो नाम उन्होंने वेब–साइट पर नहीं डाले हैं जो उन्होंने काटे हैं, उसकी लिस्ट है वेब–साइट पर।

...(व्यवधान)

माननीय चुनाव मंत्रीः आप जितने पढ़ लिखे हो, वो तो अभी लगा कर... ट्वीट भी आपका कोई और लिखता है तो इसके लिए तो आपको बहुत बधाई लेकिन ये आँकड़े कहाँ से लाए, आपने इसे वैरिफाई कर दिया। हम इन्हें बिल्कुल नहीं मानते। हम आपके आँकड़ों को बिल्कुल नहीं मानते। आपको इन आँकड़ों पर इस लिए विश्वास है क्योंकि ये जो वोट कटे हैं, ये कहीं न कहीं आपकी सोची समझी साजिश है, भाजपा की। ये आपकी कहीं सोची समझी साजिश है। क्योंकि ऐसे लोगों के वोट काट दिये गए जो मौजूद हैं, जो जीवित हैं, जो रह रहे हैं। किसी को शिफ्ट दिखा दिया गया है, वो शिफ्ट नहीं है। किसी को मृत दिखा दिया गया, वो जिंदा है। तो ये कहीं न कहीं आपकी सोची समझी साजिश है और एक टारगेट करके ऐसे इलाकों के वोट काटे गए हैं, जहाँ आपको वोट मिलता ही नहीं है। क्लस्टर के वोट काट दिये आपने। झुग्गी झोपड़ियों के वोट कटवा दिये आपने। आपने अल्पसंख्यक लोगों के वोट कटवा दिये जो आपको वोट ही नहीं देते हैं। तो हम आपके आँकड़ों से बिल्कुल सहमत नहीं हैं। अध्यक्ष महोदय, इसकी जाँच होनी चाहिए और...

...(व्यवधान)

माननीय चुनाव मंत्रीः आप चुने हुए प्रतिनिधि हो तो इसका मतलब ये नहीं है कि आप जो मर्जी हो, वो करो।

माननीय अध्यक्षः विजेन्द्र जी, ये बात ठीक नहीं है। आप दे दीजिए, साइन करके दे दीजिए इनको।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः विजेन्द्र जी, मैं प्रार्थना कर रहा हूँ, आप बैठ जाइए।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः इमरान जी, आप मुझ से बात कीजिए।

माननीय चुनाव मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, हम इनकी लिस्ट को नहीं मानते। इनके तथ्यों को बिल्कुल नहीं मानते। क्योंकि षड्यंत्र में माहिर हैं।

...(व्यवधान)

माननीय चुनाव मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को अवगत कराना चाहता हूँ। हम किसी की भी कोई लिस्ट नहीं मानते हैं। चाहे वो किसी की भी हो।

...(व्यवधान)

माननीय चुनाव मंत्रीः अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से सदन को अवगत कराना चाहता हूँ कि हम किसी भी व्यक्ति की लिस्ट नहीं मानते हैं और इसकी जाँच होनी चाहिए। क्योंकि इसमें लॉ–फुल मैनर को इस्तेमाल बिल्कुल नहीं किया गया है।

माननीय अध्यक्षः इमरान जी, आप बोलते रहिए।

माननीय चुनाव मंत्रीः अगर इसमें लॉ फुल मैनर बिल्कुल इस्तेमाल नहीं किया गया है। कमरे में बैठकर, ऑफिस के अंदर बैठकर लोगों के नाम कटवा दिये गए हैं। एक साजिश... और जो–जो लोग भी इसके अंदर लिप्त हैं, उनके ऊपर उचित कार्रवाई, सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। अगर जरूरत पड़ी तो इस

केस को तोते को भी दिया जाएगा। क्योंकि इसके अंदर एक बहुत गहरी साजिश है। तोता इन्हीं के पास है। लेकिन अगर जरूरत पड़ी तो तोते को भी देंगे और जो–जो भी लोग इसमें लिप्त होंगे, चाहे वो कोई नेता हो, अधिकारी हो, बीएलओ हो, उन पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी, धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः माननीय सदस्यगण! ध्यान देंगे, सौरभ भारद्वाज जी ने जो संकल्प प्रस्तुत किया था उसमें श्री विजेन्द्र गुप्ता जी के संशोधन हैं।

उन संशोधनों के जो पक्ष में है वो हाँ कहें... एक सेकण्ड, भई ऐसे नहीं।

माननीय चुनाव मंत्रीः अध्यक्ष जी, एक बात और कहना चाहता हूँ। मैं सदन को एक चीज से और अवगत कराना चाहता हूँ। दिल्ली के अंदर जितने भी अधिकारी हैं, डीएम हैं, वो ही सारे डिस्ट्रिक्ट इलैक्शन ऑफिसर्स हैं। जब हमें पता लगा कि... सही राम जी के माध्यम से पता लगा कि इनके घर के वोट काट दिये गए हैं, इनके परिवार वालों के, तो उसके बाद में हम लोगों ने सब जगह चैक कराया तो पता लगा दिल्ली में साढ़े दस लाख से ऊपर वोट काट दिये गए और ऐसे–ऐसे लोगों के वोट काट दिये गए जो जीवित भी हैं और रहते भी हैं। उन्हें शिफ्ट दिखा दिया गया। किसी को कुछ दिखा दिया गया। बस्तियों में ऐसे लोगों को टारगेट बनाया गया जो आम आदमी पार्टी का वोटर है और एंटी बीजेपी वोटर है। गरीब आदमी है। उसके बाद हमने सारे डीएम को लिखा और उनसे कहा कि हमें इसके नामों की लिस्ट मुहैया कराई जाए। तो सब जगह से एक ही चिट्ठी आई, जवाब आया कि इलैक्शन कमिशन ऑफ इंडिया ने हमें मना किया हुआ है कि दिल्ली गवर्नमैंट को ये लिस्ट अभी नहीं देनी है। पहले हम उनसे पूछेंगे, उसके बाद इस लिस्ट को मुहैया कराएंगे।

तो मैं ये कहना चाहता हूँ सदन के सामने जब उन्होंने गवर्नमैंट को इलैक्शन डिपार्टमैंट, इलैक्शन मिनिस्टर हूँ तो इलैक्शन डिपार्टमैंट मेरे पास है। जब हमें वो चीज लिस्ट मुहैया नहीं कराई तो भाजपा को वो लिस्ट कहाँ से मिल गई और आंकडे कहाँ से मिल गए?

...(व्यवधान)

माननीय चुनाव मंत्रीः इस बात को रिकॉर्ड पर ले लीजिए इस बात को कि इनके पास कहाँ से आईं इसलिए हम इस लिस्ट को नहीं मानते हैं और इसकी इन्क्वायरी होनी चाहिए, धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः अब माननीय सदस्यगण ध्यान देंगे। सौरभ भारद्वाज जी ने जो संकल्प प्रस्तुत किया था, उसमें श्री विजेन्द्र गुप्ता जी के संशोधन हैं, वो संशोधन सदन के सामने हैं;

जो इसके पक्ष में हैं, वो हाँ कहें;

जो इसके विरोध में हैं, वो न कहें;

(सदस्यों के न कहने पर)

न पक्ष जीता, न पक्ष जीता। अर्थात विजेन्द्र गुप्ता जी के संशोधन अस्वीकार हुए।

अब श्री सौरभ भारद्वाज जी, माननीय सदस्य द्वारा प्रस्तुत संकल्प सदन के सामने हैं:

जो इसके पक्ष में हैं, वो हाँ कहें;

जो इसके विरोध में हैं, वो न कहें;

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता, संकल्प पास हुआ।

अब सदन की कार्यवाही... हाँ माननीय मंत्री जी।

माननीय स्वास्थ्य मंत्री (श्री सत्येन्द्र जैन): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहता हूँ कि मेरे ऊपर जो केस चल रहा था, अभी–अभी दिल्ली के फास्ट ट्रेक कोर्ट ने उस केस को बोगस डिक्लेयर किया है और मुझे एक्विट किया है, जिस केस के अदंर मुझे जेल भेजा गया था। तो ये नई चीज पता लगी। हमारे सदन के अंदर बहुत सारे साथियों को छोड़ा गया है। क्योंकि ये अभी–अभी पन्द्रह मिनट पहले कहा गया है इस लिए मैं सदन को बताना उचित समझता हूँ, धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः वेरी गुड, अब सदन की कार्यवाही अनिश्चित काल तक के लिए स्थगित की जाती है।

इससे पहले कि मैं सदन को अनिश्चित काल तक के लिए स्थगित करूँ स्वस्थ संसदीय परम्पराओं का निर्वाह करते हुए सदन के नेता और माननीय मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल जी हैं, नहीं यहाँ, जिनको रखना था...

इससे पहले कि मैं सदन को अनिश्चित काल तक के लिए स्थगित करूँ, स्वस्थ संसदीय परम्पराओं का निर्वाह करते हुए सदन के नेता और माननीय मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल, माननीय उप मुख्य मंत्री श्री मनीष सिसोदिया, सभी मंत्रीगण, श्री विजेन्द्र गुप्ता, माननीय नेता प्रतिपक्ष तथा सदन के सभी

माननीय सदस्यों का हार्दिक आभार प्रकट करता हूँ। इसके अलावा विधान सभा सचिव तथा सचिवालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ साथ दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव व उनके समस्त अधिकारियों, दिल्ली पुलिस, खुफिया एजेंसियों, सीआरपीएफ बटालियन–55 तथा लोक निर्माण विभाग के सिविल, इलेक्ट्रिकल व हॉर्टिकल्चर डिवीजन, अग्नि शमन विभाग आदि द्वारा किए गए सराहनीय कार्य के लिए भी उनका धन्यवाद करता हूँ। विधान सभा की कार्रवाई को मीडिया के माध्यम से जन–जन तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाने वाले सभी पत्रकार साथियों का भी मैं हार्दिक धन्यवाद करता हूँ और माननीय सदस्यों से अनुरोध करूँगा कि वे राष्ट्रगान के लिए अपने स्थान पर खड़े हों।

(राष्ट्रगान)

...समाप्त...

© दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र शासन अधिनियम, 1991 की धारा 18 (2) के उपबंधों तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली विधान सभा प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 281 (2) के प्रावधानों के अंतर्गत प्रकाशित तथा ग्राफिक प्रिंटर्स, 2266/41, बीडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली-110 005 द्वारा मुद्रित।